RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

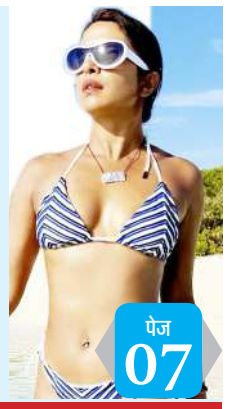

प्रियंका चोपड़ा ने कहा 40 की उम्र के लोगों की कोई टाइमलाइन नहीं है, बस वाइब्स है

पेज 07

VOL: 03 | ISSUE 205 | TUESDAY DATE 18-08-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

अखिलेश का लोधी दांव: बीजेपी के कोर वोट बैंक पर सपा की नजर

लखनऊ, यूटर्न/ 17 अगस्त । उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 विधानसभा चुनावों से पहले, समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के एक प्रमुख और पारंपरिक वोट बैंक, लोधी समाज को साधने का बड़ा अभियान शुरू किया है। राज्य की कुल आबादी का भले ही 4-5 प्रतिशत होने के बावजूद, लोधी समुदाय रुहेलखंड, ब्रज और बुंदेलखंड सहित करीब 23 जिलों और 65 विधानसभा सीटों पर चुनावी नतीजों को प्रभावित करने की ताकत रखता है। ऐतिहासिक रूप से, ओबीसी समुदाय दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह और वरिष्ठ नेता उमा भारती के प्रभाव के कारण बीजेपी का एक मजबूत आधार रहा है। मंडल आयोग के दौर से ही लोधी समाज ने बीजेपी को अपना पारंपरिक समर्थन दिया है।

सरकारी अधिकारियों को आम लोगों से नियमित तौर पर मिलना चाहिए : राजनाथ

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 अगस्त**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि सरकारी अधिकारियों को नियमित रूप से आम लोगों के बीच जाना चाहिए। लोगों से सीधे संवाद करने और उनकी समस्याओं को सुनने से अधिकारियों को जमीनी स्तर की वास्तविक परिस्थितियों को समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को लोगों की शिकायतों और चिंताओं को गंभीरता से सुनना चाहिए। लोगों को यह भरोसा दिलाना चाहिए कि सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को नई दिल्ली में भारतीय रक्षा संपदा सेवा के 2025 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों से मुलाकात के दौरान ये बातें कहीं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि बदलती परिस्थितियों में नागरिकों की बढ़ती आकांक्षाओं को पूरा करने में लोक सेवकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी 'सेवा भावना' के साथ करें और लोगों को सुविधाजनक, संवेदनशील तथा जनहितैषी तरीके से सेवाएं उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दें। गौरतलब है कि ये अधिकारी राष्ट्रीय रक्षा संपदा प्रबंधन संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस दौरान रक्षा मंत्री ने रक्षा संपदा विभाग की भूमिका और देशभर में रक्षा भूमि के प्रबंधन तथा छावनी बोर्डों के नगर प्रशासन में उसके योगदान की सराहना की।

संक्षिप्त ताजा खबरें

जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा आतंकी गिरफ्तार, पाकिस्तान भेजता था रकम

लखनऊ, यूटर्न/ 17 अगस्त । उप्र पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 24 वर्षीय युवक मोहम्मद जफर को गिरफ्तार किया है। मूल रूप से बिहार के पूर्णिया जिले का रहने वाला जफर मेरठ में मदरसे में पढ़ाई कर चुका है। एटीएस के मुताबिक वह मदरसे के नाम पर लोगों से चंदा लेकर उसकी रकम पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन तक भेजता था। एटीएस को सूचना मिली थी कि जफर जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर से प्रभावित है और उसके भड़काऊ व जेहादी भाषण सोशल मीडिया पर साझा कर लोगों को हिंसक जेहाद के लिए उकसा रहा है। जांच में उसके सोशल मीडिया अकाउंट से इसकी पुष्टि हुई। एटीएस के अनुसार जफर के मोबाइल में पाकिस्तान के जेहादी व्हाट्सएप ग्रुप मिले हैं। इनमें जेहाद और चंदे से जुड़ी बातचीत मौजूद थी। वह फेसबुक पर चेहरा ढककर जेहाद और खिलाफत से जुड़े बयान भी देता था। बाद में वह जैश-ए-मोहम्मद के जेहादी ग्रुप से जुड़कर पाकिस्तानी हैंडलर के संपर्क में आया और जेहाद में मदद की पेशकश की। हैंडलर के कहने पर जफर ने पैसे भेजने का प्रयास किया। बाद में उसने बाइनेंस अकाउंट मांगा और संदिग्ध पाकिस्तानी लोगों के संपर्क में रहकर बाइनेंस के जरिये यूएसडीटी के रूप में कई बार रकम भेजी। एटीएस ने जफर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पूरे नेटवर्क को जांच एजेंसी खंगाल रही है।

कावेरी जल विवाद: सुप्रीम कोर्ट में एक हफ्ते के लिए सुनवाई टली

नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 अगस्त । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कावेरी जल विवाद से जुड़ी अहम याचिका पर सुनवाई एक हफ्ते के लिए टाल दी। यह याचिका तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर की गई थी, जिसमें कर्नाटक से उसके हिस्से का कावेरी जल तुरंत जारी करने की मांग की गई है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने 3 अगस्त को मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। पहले अदालत ने 17 अगस्त को सुनवाई निर्धारित की थी, लेकिन अब यह मामला 24 अगस्त को फिर से उठाया जाएगा।

दिल्ली में सिनेमैटोग्राफ लाइसेंस की प्रक्रिया होगी आसान

अब सिंगल विंडो से ऑनलाइन लाइसेंस

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 अगस्त ।**

दिल्ली सरकार ने सिनेमाघरों और मल्टीप्लेक्स के सिनेमैटोग्राफ लाइसेंस की प्रक्रिया को आसान, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए नई एसओपी लागू की है। नई व्यवस्था के अंतर्गत वर्षों से चली आ रही अलग-अलग विभागों से एनओसी लेने की प्रक्रिया को समाप्त करते हुए एकीकृत सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया गया है। अब आवेदन से लेकर निरीक्षण, निर्णय और लाइसेंस जारी करने तक पूरी प्रक्रिया ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर ऑनलाइन होगी। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि नई व्यवस्था का उद्देश्य लाइसेंसिंग प्रक्रिया में अनावश्यक देरी और अलग-अलग विभागों के बीच समन्वय की समस्या को दूर करते हुए आवेदकों को एक स्पष्ट, जवाबदेह और तकनीक आधारित व्यवस्था उपलब्ध कराना है। पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी व समयबद्ध बनाने के लिए दो विशेष समितियों का गठन किया गया है। नई एसओपी वर्ष 2015 में फाइनल हो गई थी, लेकिन पूर्व सरकार ने इसे लागू नहीं किया था। नई एसओपी के अंतर्गत पहली समिति जिला लाइसेंसिंग समिति (डीएलसी) का गठन किया गया है। राजस्व विभाग के जिला प्रशासन के अधीन गठित डीएलसी लाइसेंसिंग संबंधी अंतिम निर्णय लेगी। इसका अध्यक्ष डिप्टी कमिश्नर (रेवेन्यू)/ डीएम होगा। समिति में पुलिस, फायर विभाग, नगर निगम/डीडीए के इंजीनियरिंग विंग, दिल्ली जल बोर्ड और जिला मेडिकल अधिकारी सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। नई एसओपी इस विषय से संबंधित दिल्ली पुलिस के पूर्व स्टैंडिंग ऑर्डर्स का स्थान लेगी। पुरानी व्यवस्था में सिनेमैटोग्राफ लाइसेंस के लिए पुलिस, फायर विभाग, नगर निगम, दिल्ली जल बोर्ड, बिजली वितरण कंपनियों और स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न एजेंसियों से अलग-अलग एनओसी लेने पड़ते थे। नई व्यवस्था में इस बहु-विभागीय और क्रमिक प्रक्रिया को समाप्त कर दिया गया है। यही समिति निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर लाइसेंसिंग संबंधी अंतिम निर्णय लेगी। नई एसओपी की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक प्रत्येक चरण के लिए निर्धारित समय-सीमा है। आवेदन की प्रारंभिक जांच सात कार्यदिवस के भीतर, डीआईसी द्वारा 45 दिनों के भीतर निरीक्षण और निरीक्षण रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद डीएलसी द्वारा 30 दिनों के भीतर निर्णय लिया जाना निर्धारित किया गया है।

यदि डीएलसी निर्धारित समय-सीमा में निर्णय नहीं देती, लेकिन डीआईसी की रिपोर्ट में सभी वैधानिक और सुरक्षा संबंधी शर्तों का पूर्ण अनुपालन पाया जाता है तो पोर्टल पर लाइसेंस स्वतः जनरेट हो जाएगा। हालांकि जिन मामलों में अनिवार्य वैधानिक या सुरक्षा मानकों का पालन नहीं हुआ है, उनमें यह व्यवस्था लागू नहीं होगी।

आतंकी गुट शहजाद भट्टी नेटवर्क का खात्मा, 200 से अधिक दहशतगर्द गिरफ्तार : अमित शाह

नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 अगस्त । स्वतंत्रता दिवस से पहले आईएसआई समर्थित शाहजाद भट्टी नेटवर्क (एसबीएन) के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी बहु-राज्यीय कार्रवाई कर इस आतंकी सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सीमा-पार आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत 14 राज्यों में 253 लोग हिरासत में लिए गए हैं और नेटवर्क के खिलाफ 80 से अधिक एफआईआर और 200 से अधिक गिरफ्तारियां की गई हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, 'मोदी सरकार ने स्वतंत्रता दिवस से पहले आईएसआई समर्थित आतंकी समूह 'शहजाद भट्टी नेटवर्क' को खत्म कर दिया और संगठन के 200 से ज्यादा सदस्यों को गिरफ्तार कर उसके खतरनाक हमलों के मंसूबों को नाकाम कर दिया।

ट्रेंडिंग न्यूज

95 वर्षीय मां को कांवड़ पर लेकर निकला बेटा

लखनऊ, यूटर्न/ 17 अगस्त । आज सावन का तीसरा सोमवार है, जो 23 साल बाद नाग पंचमी के साथ दुर्लभ और शुभ संयोग बना रहा है। उत्तर प्रदेश के विभिन्न शिव मंदिरों में सुबह से ही भक्तों और कांवड़ियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। मंगला आरती के बाद सुबह चार बजे से ही श्रद्धालुओं के लिए मंदिरों के कपाट खोल दिए गए हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिल रहा है, जहां 3 किलोमीटर लंबी कतारें लगी हैं।

केजरीवाल ने पीएम मोदी के लालकिले के भाषण पर साधा निशाना, बोले- जो सवाल पूछे, वह दिमागी नक्सली?

नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 अगस्त । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लालकिले से दिए गए भाषण को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। केजरीवाल ने प्रधानमंत्री के 'दिमागी नक्सल' वाले बयान पर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर दिमागी नक्सली कौन है? उन्होंने आरोप लगाया कि देश में जो व्यक्ति सरकार से सवाल करता है, व्यवस्था में बदलाव की मांग करता है और बेहतर सुविधाओं की आवाज उठाता है, उसे दिमागी नक्सली बताया जा रहा है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जो व्यक्ति देशभक्ति की बात करता है और देश की समस्याओं को लेकर अपनी आवाज बुलंद करता है, क्या वह दिमागी नक्सली है? उन्होंने कहा कि जो इस देश में सवाल पूछता है, वह दिमागी नक्सली है।

एफडीए की कार्रवाई का स्वागत, कानून से ऊपर कोई नहीं: प्रवीन खंडेलवाल

नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 अगस्त । महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की ओर से अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को विमल इलायची के प्रचार-प्रसार से जुड़े मामले में नोटिस जारी किए जाने को लेकर भाजपा सांसद प्रवीन खंडेलवाल की प्रतिक्रिया सामने आई है। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की ओर से अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन एवं टाइगर श्रॉफ को विमल इलायची के प्रचार-प्रसार से जुड़े मामले में नोटिस जारी किया जाना बहुत ही कानून-सम्मत एवं एक स्वागतयोग्य कदम है। यह संदेश स्पष्ट रूप से जाना चाहिए कि देश में कानून, नियम और उपभोक्ता हित सर्वोपरि हैं तथा किसी भी व्यक्ति की लोकप्रियता या सेलिब्रिटी हैसियत उसे कानूनों के पालन से छूट नहीं दे सकती।

सावन सोमवारी पर लखीसराय के मंदिर में भगदड़, 7 की मौत

पटना, यूटर्न/ 17 अगस्त । बिहार के लखीसराय जिले में सावन की सोमवारी पर जलाभिषेक के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच सोमवार सुबह भगदड़ मचने से सात महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 23 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। ऐसे में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। हादसा अशोकधाम स्टेशन से मंदिर की ओर जाने वाले मुख्य रास्ते पर हुआ।

संक्षिप्त खबरें

किशोरी से दुष्कर्म के मामले सगी बहन गिरफ्तार, आरोपी जीजा ने की थी वारदात

गाजियाबाद, यूटर्न/ 17 अगस्त । क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना पुलिस ने 12 साल की किशोरी से दुष्कर्म के मामले में वांछित चल रही सगी बहन को गिरफ्तार किया है। आरोपी अपनी छोटी बहन को गलत धंधे में भेजकर धन कमानी चाहती थी। आरोपी से मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है, जिससे घटना की अश्लील वीडियो बनाई गई थी। आरोपी महिला के पति और पीड़िता के जीजा को पुलिस 13 अगस्त को ही गिरफ्तार कर चुकी है। एसीपी प्रिया श्रीपाल ने बताया कि एक महिला ने अपनी 12 साल की बहन को रहने के लिए घर पर जुलाई के अंतिम सप्ताह में बुलाया था। पीड़िता की मां का आरोप था कि बच्ची के जीजा ने उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो भी बनाई। साथ ही किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। इस दौरान पीड़िता किशोरी ने घटना की जानकारी बड़ी बहन को दी, लेकिन उसने डराते हुए चुप रहने के लिए कहा। उधर, डरी सहमी किशोरी मां के पास पहुंची और आपबीती सुनाई। मां अपनी बेटी को लेकर 11 अगस्त को क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने पहुंची। वहां पर बेटी और दामाद के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने किशोरी के बयान दर्ज कराते हुए मेडिकल परीक्षण कराया। इस जांच में दुष्कर्म की पुष्टि हुई तो 13 अगस्त को पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। 15 अगस्त को आरोपी की पत्नी और पीड़िता की सगी बहन को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने महिला से मोबाइल फोन को बरामद कर लिया है और उसमें अश्लील वीडियो, फोटो को केस डायरी का हिस्सा बनाया गया है।

दवा कंपनी में निवेश के नाम पर पीएसी जवान से ठगे चार लाख रुपये

कौशांबी, यूटर्न/ 17 अगस्त । दवा कंपनी में निवेश पर भारी मुनाफे का लालच देकर एक पीएसी जवान से 4 लाख 10 हजार रुपये की ठगी हुई है। गाजियाबाद की 41वीं वाहिनी पीएसी में कार्यरत अंकित शर्मा इस धोखाधड़ी का शिकार हुए। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अंकित शर्मा दो साल पहले एक व्हाट्सएप समूह के माध्यम से ठगों के संपर्क में आए थे। यह समूह आयुर्वेद संबंधी ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करता था। समूह संचालक खुद को आयुर्वेद विशेषज्ञ बताते थे और बीमारियों का समाधान भी सुझाते थे। इससे अंकित का उन पर विश्वास बढ़ गया। बाद में उन्हें एक दवा कंपनी में निवेश कर लाभ कमाने के लिए प्रेरित किया गया। शुरूआत में उन्होंने निवेश नहीं किया, पर कुछ महीनों बाद विश्वास में आकर रकम लगानी शुरू कर दी। आरोपियों ने भुगतान और निवेश को लेकर लगातार भरोसा दिलाया।

कारवां- ए -अदब शायरों की अदबी संस्था द्वारा एक कार्यक्रम ' शायर डा. एस के शर्मा '' के नाम आयोजित

काव्य रचनाओं व शायरी से श्रोताओं का समय बांधा

» पानीपत, यूटर्न/ 17 अगस्त ।

कारवां -ए -अदब शायरों की अदबी संस्था करनाल हरियाणा द्वारा ''एक कार्यक्रम शायर डॉ. एस के शर्मा के नाम ' जिम खाना क्लब सैक्टर 8, करनाल सभागार में आयोजित किया, जिसकी अध्यक्षता शायर डॉ कमर रईस ने की मुख्य अतिथि कवि डॉ दलीप खरेरा व विशिष्ट अतिथि कवयित्री रोजलीन व कवयित्री नीना अरोड़ा रही।

कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रीय गान से की गई। काव्य की शुरूआत डॉ महावीर प्रसाद शास्त्री के आशीर्वचनों से हुई,शायर डॉ कमर रईस ने कहा आपकी याद आ रही है, आपके जाने के बाद, डॉ दलीप खरेरा ने कहा,एक रब की सन्तान हैं, हम सब ही इन्सान है, कवयित्री नीना अरोड़ा ने कहा दास्तां उनकी जमाना कहता रहेगा, कवयित्री रोजलीन ने कहा और शब्द! मेरी पलकों से, हाठों से, उंगलियों के नाजुक पोरो से उठ, डॉ महावीर प्रसाद शास्त्री ने कहा मतवाला सावन आया दिन में अंधियारा छाया, कवयित्री डॉ अंजु शर्मा ने कहा चल रहें हैं सब अपने रास्ते, साथ उसका मुझे अच्छा लगा,शायर रामेश्वर देव ने कहा दौ सौ साल सित्म डाये भारत पर ब्रिटिश वालों ने, कवि भारत भूषण वर्मा ने कहा जागे तमन्ना सब दिलों में, अखण्ड हो भारत मेरा, गुरमुख सिंह वड़ैच ने पढ़ा कल न हम होंगे न कोई गिला होगा, शायर हरबंस पथिक ने कहा जिन्दगी ने साथ थोड़ा कम दिया, कवयित्री शशी शर्मा ने कहा ऐ पश्चिम के वासियों क्या कर रहे हो नादानियां,शायर धर्मेन्द्र अरोड़ा ने कहा एस के शर्मा जी रहे, खुशियों से भरपूर,कवि प्रेम पाल सागर ने कहा जमाना रंग बदलता है किसी का वश न चलता है,शायर इकबाल पानीपती ने कहा आओ मिलकर बोले बच्चे बूढ़े और जवान,कवि नरेश लाभ ने कहा छल छदम न हो इस जीवन में भाव सरल देना दाता, कवि राजकुमार मायूस ने कहा जब कभी भी शायरी की महफि ल सजाई जाएगी, शायर सदनपुरी ने कहा दौर ए हाज़िर की तरक्की से ये आसान हुआ, शायर शैदा बिजनौरी ने कहा मसले लाख दरमियान में रख, कवि कृष्ण कुमार निर्माण ने कहा बात थी उनकी न्यारी यारों, वो यारां का यार था,कवि दिलबाग अकेला ने कहा आंखों में कुछ नींद है, कुछ गम का नशा है, कवयित्री सुषमा चौपड़ा ने कहा वीरों का बलिदान हमें अब यूं नहीं गंवाना है,शायरा डॉ वनीता चौपड़ा ने कहा हाथ नाजुक ही सही पर हौंसले फौलाद हैं, कवि प्रवीण जन्नत ने कहा हर हाल मुझे यह नाता निभाना, डॉ कान्ता वर्मा ने कहा आजादी है हक तुम्हारा लड़कर लेना, शायर आशीष ताज ने कहा रोते हैं बहुत जब कभी मजबूर होते हैं, कवयित्री समयनीता ने कहा जिन्दगी जब बहुत से सवाल करने लगती है, कार्यक्रम में कवि हरबंस लाल शर्मा व पूर्ण चंद शर्मा ने भी अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का मंच संचालन कवि भारत भूषण वर्मा ने किया। कार्यक्रम में श्रोताओं की उपस्थिति रही।

पीआरपीसी ने राष्ट्र प्रेम की भावना को बढ़ावा देते हुए बड़े उत्साह के साथ 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का किया आयोजन

» पानीपत, यूटर्न/ 17 अगस्त ।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड पानीपत रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स (पीआरपीसी) में राष्ट्र प्रेम की भावना को बढ़ावा देते हुए 80वां स्वतंत्रता दिवस बड़े जोश एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि, श्री ए एस साहनी, अध्यक्ष, इंडियनऑयल द्वारा मिनी स्मार्ट सिटी में ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर श्री एम एल डहरिया, कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख, पीआरपीसी श्री अजय कैला, कार्यकारी निदेशक (कोर ग्रुप) पीआरपीसी, सभी मुख्य-महाप्रबंधकगण, महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्ष, कमांडेंट (सीआईएसएफ), उप-कमांडेंट (सीआईएसएफ), ऑफिसर्स एसोसिएशन व कर्मचारी यूनियन के प्रतिनिधि, कई गणमान्य अतिथि, सरपंच, भूतपूर्व सरपंच व प्रबुद्धजन के अलावा बड़ी संख्या में इंडियन ऑयल परिवार के सदस्य व बच्चे भी उपस्थित थे।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए श्री साहनी ने कहा कि जैसे-जैसे भारत स्वतंत्रता के 80वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, राष्ट्र अपनी आकांक्षाओं और महत्वाकांक्षाओं में और अधिक 'युवा' हो रहा है तथा अपने भविष्य को स्वयं आकार देने के लिए पूरी तरह आत्मविश्वास से भरा हुआ है। इंडियनऑयल के कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए श्री साहनी ने सभी से नवाचार को अपनाने, ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करने तथा 'राष्ट्र प्रथम' और 'ऑन ड्यूटि ऑल्वेज' की भावना के साथ एक भविष्य के लिए तैयार, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के निर्माण में योगदान देने का आ'ान किया। उन्होंने युवा अइओसियन्स से भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाने का आ'ान किया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर श्री ए. एस. साहनी, अध्यक्ष, इंडियनऑयल ने श्री एम. एल. डहरिया, कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख, पीआरपीसी के साथ जन सेवा संस्थान, पानीपत, जो वृद्धजनों एवं अनाथ बच्चों की देखभाल करने वाला संस्थान है, तथा मदर टेरेसा मिशनरीज ऑफ चैरिटी, जो एक धर्मार्थ गृह एवं अनाथालय है, का दौरा किया। यह पहल इंडियन ऑयल के 'समाईल वी सपरैड' अभियान के अंतर्गत की गई। जन सेवा संस्थान में 203 वृद्धजनों की देखभाल की जाती है, जबकि मदर टेरेसा मिशनरीज ऑफ चैरिटी में 40 से अधिक अनाथ बच्चों एवं बौद्धिक तथा विकासात्मक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों को आश्रय एवं देखभाल प्रदान की जाती है। श्री साहनी ने दोनों संस्थानों के निवासियों से आत्मीय संवाद किया और उनके साथ समय बिताकर उनकी आवश्यकताओं एवं अनुभवों को जाना। अध्यक्ष के आगमन से दोनों संस्थानों के निवासियों के चेहरों पर खुशी और मुस्कान की झलक दिखाई दी।

इस अवसर पर दोनों संस्थानों के निवासियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सामग्री भी प्रदान की गई। यह आत्मीय पहल देखभाल, करुणा और मानवीय संवेदना का प्रतीक बनी तथा इंडियनऑयल की उस प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, जो ऊर्जा क्षेत्र में अपनी भूमिका से आगे बढ़कर समाज के जरूरतमंद वर्गों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उज्जैन महाकाल परिसर में भगदड़ जैसे हालात, 13 घायल

» उज्जैन, यूटर्न/ 17 अगस्त ।

उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर परिसर में सोमवार को नागपंचमी के मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे करीब 13 श्रद्धालु घायल हुए और कई बेहोश हो गए। बताया जा रहा है कि यह घटना करंट फैलने की अफवाह के बाद हुई, जब लोग जान बचाने के लिए एक-दूसरे के ऊपर गिरने लगे। प्राथमिक उपचार के बाद अधिकांश घायलों को छुट्टी दे दी गई, जबकि तीन का उपचार जारी है।

पुलिस के अनुसार, महाकाल मंदिर की तीसरी मंजिल पर स्थित नागचंद्रेश्वर भगवान के दर्शन के लिए करीब 40 हजार श्रद्धालु कतार में थे, जबकि अब तक 5.5 लाख से अधिक दर्शनार्थी नागचंद्रेश्वर भगवान के दर्शन कर चुके थे। यह मंदिर वर्ष में केवल एक बार नागपंचमी के दिन ही 24 घंटे के लिए खुलता है। घायलों ने भीड़ प्रबंधन में गंभीर लापरवाही और समय पर मदद न मिलने का आरोप लगाया है। एक घायल श्रद्धालु ने बताया कि घंटों कतार में रहने के बाद अचानक बैरिकेड हटा दिए गए, जिससे भगदड़ मच गई। टेंट और बैरिकेड गिरने से उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया। उन्होंने 300 रुपये की रसीद पर वीआईपी दर्शनों को प्राथमिकता देने और एंट्री जारी रहने पर सवाल उठाए, जबकि आम श्रद्धालु घंटों तक रुके रहे।

इसके विपरीत, महाकाल मंदिर के प्रशासक प्रथम कौशिक ने किसी भी तरह की अफरा-तफरी या अप्रिय घटना से इंकार किया है। उन्होंने दावा किया कि श्री महाकालेश्वर मंदिर स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं के दर्शन निर्बाध रूप से जारी हैं और व्यवस्था सुचारू है। इस वर्ष सावन के सोमवार के साथ नागपंचमी का दुर्लभ संयोग होने के कारण नागचंद्रेश्वर मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

एम्स नयी दिल्ली में नेशनल रेटिना स्किल डेवलपमेंट सेंटर की शुरूआत

» नयी दिल्ली, यूटर्न/ 17 अगस्त

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली ने देश में रेटिना से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सोमवार को नेशनल रेटिना स्किल डेवलपमेंट सेंटर में मॉड्यूलेटेड रेटिना ट्रेनिंग प्रोग्राम की शुरूआत की।

एम्स के डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र (आरपीसी), में स्थापित यह अपनी तरह का पहला केंद्र है, इसका उद्देश्य पूरे देश में रेटिना की देखभाल से जुड़ी क्लिनिकल क्षमताओं को मजबूत करना है। रोश इंडिया हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट (आरआईएचआई) के साथ साझेदारी में विकसित यह प्लेटफॉर्म, एम्स में उपलब्ध क्लिनिकल और शैक्षणिक विशेषज्ञता को स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने की आरआईएचआई की प्रतिबद्धता के साथ जोड़ता है। इसका उद्देश्य रेटिना से जुड़ी बीमारियों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण, शोध और नवाचार का ऐसा मॉडल तैयार करना है, जिसे बड़े स्तर पर अपनाया और आगे बढ़ाया जा सके। इस प्रोग्राम के केंद्र में अत्याधुनिक रेटिना स्किल लैब कोर (कॉम्प्रिहेंसिव रेटिनल एजुकेशन) है, जो हाई-रिजॉल्यूशन ओसीटी, फंडस कैमरों और विशेष माइक्रोस्कोप जैसी आधुनिक तकनीकों से लैस है, ताकि मॉड्यूल के आधार पर रेटिना से जुड़ा प्रशिक्षण दिया जा सके। नेशनल रेटिना स्किल डेवलपमेंट सेंटर का लक्ष्य अगले तीन वर्षों में सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था से जुड़े 100 से अधिक ऑप्थैल्मोलॉजिस्ट को प्रशिक्षित करना है। ऑप्थैल्मोलॉजिस्ट को आठ मॉड्यूल में तैयार किया गया एक व्यवस्थित प्रशिक्षण कार्यक्रम दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण को इस तरह तैयार किया गया है कि डॉक्टर रेटिना से जुड़ी बीमारियों की शुरूआती पहचान, सही डायग्नोसिस और बेहतर प्रबंधन अधिक प्रभावी ढंग से कर सकें। इस मौके पर डॉ राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स नयी दिल्ली में ऑप्थैल्मोलॉजी की प्रमुख एवं प्रोफेसर डॉ. राधिका टंडन ने कहा, 'विशेषज्ञों की कमी को देखते हुए रेटिना की देखभाल से जुड़ी क्षमताओं को मजबूत करना बेहद जरूरी है। रेटिना की बेहतर देखभाल के लिए मेडिकल विशेषज्ञता के साथ-साथ क्लिनिकल कौशल और व्यावहारिक क्षमताओं को भी विकसित करना आवश्यक है।

इसके लिए ऐसे प्रशिक्षित विशेषज्ञों की जरूरत है, जो बीमारी की शुरूआती पहचान कर सकें, सही डायग्नोसिस कर सकें और उचित देखभाल प्रदान कर सकें।

जयपुर एयरपोर्ट पर एनसीसी विमान दुर्घटनाग्रस्त, ग्राउंड वाहन से टक्कर

जयपुर, यूटर्न/ 17 अगस्त । जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोमवार को एक बड़ा हादसा टल गया, जब भारतीय राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) का एक माइक्रोलाइट विमान उड़ान भरने की तैयारी में रनवे की ओर टैक्सी करते समय एक ग्राउंड हैंडलिंग वाहन से टकरा गया। गनीमत रही कि विमान में सवार पायलट विंग कमांडर और ट्रेनी एनसीसी कैडेट दोनों पूरी तरह सुरक्षित बच गए, हालांकि विमान को काफी नुकसान हुआ।

यह घटना सुबह करीब 9 बजे की है। एनसीसी का यह प्रशिक्षण विमान अपने हैंगर से निकलकर हवाई पट्टी पर जाने के लिए टैक्सी कर रहा था। यह रूटीन ट्रेनिंग उड़ान का हिस्सा था, जिसमें विंग कमांडर एक कैडेट को प्रशिक्षण दे रहे थे। तभी एयरपोर्ट परिसर में इंडोथाई नामक ग्राउंड हैंडलिंग एजेंसी का एक वाहन भी मूव कर रहा था और अज्ञात कारणों से माइक्रोलाइट विमान को टक्कर मार दी। टकराव के बाद एयरपोर्ट पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। तत्काल राहत कार्य शुरू कर विमान और वाहन को सुरक्षित हटाया गया तथा संबंधित अधिकारियों को सूचित किया गया। विमान अब तकनीकी जांच के बाद ही फिर उड़ान भर सकेगा। इस हादसे ने एयरपोर्ट ऑपरेशंस कंट्रोल सेंटर (एओसीसी) और ग्राउंड व्हीकल मैनेजमेंट की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। एयरपोर्ट के संवेदनशील एप्रन क्षेत्र में विमानों और ग्राउंड वाहनों की आवाजाही के दौरान सुरक्षा मानकों और समन्वय की अहम भूमिका होती है।

शहीद मदनलाल ढींगरा की शहादत को किया नमन

पंजाबी कल्याण मंच, अखिल भारतीय सेवा संघ व मनोहर मोर्चा ने संयुक्त रूप से मनाया शहीदी दिवस

» **हरियाणा, यूटर्न/ 17 अगस्त ।**

पंजाबी कल्याण मंच, अखिल भारतीय सेवा संघ एवं मनोहर मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में अमर शहीद मदनलाल ढींगरा के शहीदी दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान शहीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। कार्यक्रम में महापौर प्रवीण पोपली, पूर्व मेयर गौतम सरदाना सहित अनेक गणमान्य लोगों ने श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की जानकारी प्रेस प्रवक्ता जी.सी. नारंग ने दी।

मंच के महासचिव वी.एल. शर्मा ने शहीद मदनलाल ढींगरा के जीवन और बलिदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने इंग्लैंड जाकर अंग्रेज अधिकारी कर्जन वायली की हत्या कर भारत में हो रहे अत्याचारों का विरोध किया। अंग्रेजी अदालत में कुछ ही दिनों की सुनवाई के बाद उन्हें फांसी की सजा सुनाई गई, जिसे उन्होंने बिना किसी भय के स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि ढींगरा का जीवन साहस, देशभक्ति और राष्ट्र के प्रति समर्पण की मिसाल है। उनके बलिदान ने स्वतंत्रता आंदोलन में युवाओं के भीतर देश के लिए सर्वस्व न्योछावर करने की भावना को मजबूत किया।

शहीदों का योगदान सदैव स्मरणीय : प्रवीण पोपली

महापौर प्रवीण पोपली ने शहीद मदनलाल ढींगरा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीरों का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि शहीदों की कुबार्नी के कारण ही देशवासियों को स्वतंत्रता का गौरव प्राप्त हुआ। ऐसे महान क्रांतिकारियों की स्मृति को जीवंत रखना और उनकी देशभक्ति से युवा पीढ़ी को परिचित कराना समाज की जिम्मेदारी है।

पूर्व मेयर गौतम सरदाना ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि शहीद किसी एक कौम या समाज के नहीं, बल्कि पूरे देश के होते हैं। मदनलाल ढींगरा ने भारत माता की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया।

कई जिलों में ब्लैक लिस्टेड भारतीय कोऑपरेटिव ने कानपुर देहात में भी किया घोटाला, मुकदमा दर्ज

सुनील बाजपेई/ कानपुर, यूटर्न/ 17 अगस्त । उत्तराखंड और यूपी के 5 जिलों को कूट रचित दस्तावेजों और धोखाधड़ी जैसे हथकंडों से करोड़ों की चपत लगाने में सफल हुई ब्लैक लिस्टेड गैर सरकारी संस्था एन जी ओ ने कुछ भ्रष्ट अधिकारियों की मिली भगत से कानपुर देहात को भी अपना शिकार बना लिया। उसने यहां भी विकास कार्यों के नाम पर 6 करोड़ 32 लाख से ज्यादा की विधायक निधि को चपत लगा दी, जिसके फल स्वरुप बख्शी का तालाब लखनऊ, अंबेडकर नगर, बस्ती, मिजार्पुर के बाद ब्लैकलिस्टेड गैर-सरकारी संस्था भारतीय कोऑपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण लिमिटेड के मास्टरमाइंड बताए जाने वाले महाप्रबंधक पवन कुमार पांडे तथा प्रबंध निदेशक विजय कुमार गोयल व टीम के अन्य लोगों के खिलाफ कानपुर देहात के रुरा थाने में भी विभिन्न संगीन धाराओं में रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई है। साथ ही सेंट्रल रजिस्ट्रार को भी इस ब्लैक लिस्टेड एन जी ओ भारतीय कोऑपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण लिमिटेड के रजिस्ट्रेशन निरस्त करने हेतु पत्र भेजा गया है। प्रभावी कार्यवाही की मांग को लेकर उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश शासन को भेजे गए शिकायत पत्र के मुताबिक संस्था उत्तर प्रदेश के कई जनपदों बस्ती, मिजार्पुर, कानपुर देहात, लखनऊ, अंबेडकर नगर आदि में पहले से ही ब्लैकलिस्टेड है। साथ ही बक्शी का तालाब (लखनऊ)' स्थित क्षेत्रीय ग्रामीण विकास संस्थान की महानिदेशक आई ए एस श्रीमती वीरा उपाध्याय द्वारा संस्था के फजीर्वाड़े का पदार्फाश करते हुए इसके विरुद्ध एफ आई आर भी दर्ज कराई जा चुकी है।

क म्यु निके शन स्कि ल इंजीनियरिंग छात्रों को बनाती है प्रभावी : डॉ. जिम्मी शर्मा

» **कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 17 अगस्त ।**

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोम नाथ सचदेवा के मार्गदर्शन एवं विश्वविद्यालय इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. सुनील धींगड़ा के निर्देशन में बी.टेक. नवागंतुक विद्यार्थियों के स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम के तहत 'फ्यूचर-रेडी कम्युनिकेशन स्किल्स फॉर इंजीनियर्स' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड एंड ऑनर्स स्टडीज में अंग्रेजी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जिम्मी शर्मा ने विद्यार्थियों को प्रभावी संचार कौशल के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया।

डॉ. जिम्मी शर्मा ने कहा कि कम्यूनिकेशन स्किल इंजीनियरिंग छात्रों को प्रभावी बनाती है। इंजीनियरिंग केवल समस्याओं का समाधान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उस समाधान को प्रभावी ढंग से दूसरों तक पहुंचाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

करोड़ों बेलपत्रों और इत्र से हुआ विश्व के सबसे बड़े महामृत्युंजय यंत्र का अभिषेक, ड्रोन से की गई पुष्पवत वर्षा

नागपंचमी पर सुबह से रुद्र यज्ञ और वैदिक अनुष्ठान, देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे शिवभक्त

» **राजेश सलूजा**

हरियाणा, यूटर्न/ 17 अगस्त । नागपंचमी के पावन अवसर पर मैय्यड़ स्थित ओम सिद्ध महामृत्युंजय अंतरराष्ट्रीय योग एवं ज्योतिष अनुसंधान केंद्र में विश्व के सबसे बड़े महामृत्युंजय यंत्र के लोकार्पण एवं विशेष धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु और शिवभक्त आयोजन स्थल पर पहुंचने शुरू हो गए। कार्यक्रम के दौरान ड्रोन के माध्यम से महामृत्युंजय यंत्र पर करोड़ों बेलपत्र और इत्र अर्पित किए गए। आसमान से होती बेलपत्रों और इत्र की इस अनूठी वर्षा ने पूरे आयोजन को भव्य और अलौकिक स्वरूप दे दिया। स्वामी सहजानंद महाराज ने बताया कि श्रद्धालु रात से ही आयोजन स्थल पर पहुंचने लगे थे। सुबह रुद्र यज्ञ, अभिषेक और पूजा-अर्चना के साथ धार्मिक कार्यक्रमों की शुरूआत हुई। महामृत्युंजय यंत्र पर सुबह करीब साढ़े सात बजे से बेलपत्र और इत्र अर्पित करने का क्रम शुरू हो गया। विशेष रूप से तैयार किए गए ड्रोन के माध्यम से यंत्र के ऊपर बेलपत्र और इत्र अर्पित किए गए, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। स्वामी सहजानंद महाराज के अनुसार मैय्यड़ में स्थापित महामृत्युंजय यंत्र 52 फीट लंबा, 52 फीट चौड़ा और 52 फीट ऊंचा है तथा इसे करीब 72 फीट के प्लेटफॉर्म पर स्थापित किया गया है। उन्होंने बताया कि महामृत्युंजय मंत्र को यंत्र के रूप में मेरु पृष्ठ आकार और पिरामिडनुमा स्वरूप देने के लिए लंबे समय तक साधु-संतों से विचार-विमर्श और अध्ययन किया गया।

उन्होंने बताया कि इससे पहले इस महामृत्युंजय यंत्र को प्रयागराज कुंभ में अस्थायी रूप से स्थापित किया गया था, जहां देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं ने इसके दर्शन किए थे। अब इसे स्थायी रूप से हिसार के मैय्यड़ में स्थापित किया गया है। स्वामी सहजानंद महाराज ने कहा कि इस केंद्र का उद्देश्य केवल यंत्र के दर्शन तक सीमित नहीं है। यहां महामृत्युंजय जाप, रुद्राभिषेक, ध्यान और विभिन्न आध्यात्मिक साधनाओं की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु अपनी धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कालसर्प दोष एवं अन्य ग्रह संबंधी अनुष्ठान भी करवा सकेंगे। जो श्रद्धालु स्वयं यहां नहीं पहुंच सकते, उनके लिए ऑनलाइन माध्यम से भी पूजा-अनुष्ठान की व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने महामृत्युंजय मंत्र को साधना और सकारात्मक ऊर्जा से जोड़ते हुए कहा कि मंत्र साधना व्यक्ति को मानसिक रूप से मजबूत और एकाग्र बनाने में सहायक मानी जाती है। उन्होंने लोगों से अपनी दिनचर्या, खान-पान और पर्यावरण के प्रति भी सजग रहने का आग्रह किया।

ग्रैंड मां कॉटेज किड्स स्कूल में आजादी का पर्व धूमधाम से मनाया गया।

» **परमिंदर सिंह**

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 17 अगस्त । ग्रैंड मां कॉटेज किड्स स्कूल में आजादी का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया बच्चों ने सभी अध्यापकगण, प्राचार्या ओर विद्यालय के प्रबंधक के साथ मिलकर राष्ट्रीय गान की धुन पर ध्वजारोहण किया। सभी बच्चों ने अपनी अपनी कक्षाओं के अनुसार समूह नृत्य प्रस्तुतियां दी ओर कविता गायन के द्वारा देश के प्रति अपने कृतज्ञता व्यक्त की। बच्चों ने नाट्य प्रस्तुतीकरण के द्वारा देश की आजादी में बलिदान देने वाले शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यालय के प्रबंधक राज पाहवा ने समाज देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी एवं सभी बच्चों को वीरता की गाथाओं का अवलोकन किया। विद्यालय की प्राचार्या लवलीन पाहवा ने सभी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें देश के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी।

तरसेम नगर मंदिर में संग्रांद सत्संग व महा शिव रुद्राभिषेक, हजारों श्रद्धालुओं ने लिया हिस्सा

» **हरियाणा, यूटर्न/ 17 अगस्त ।**

सिद्ध बाबा बालक नाथ एवं दुर्गा माता मंदिर तरसेम नगर हिसार में पांच दिवसीय वार्षिक भंडारा उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। उत्सव के तहत सोमवार को सुबह 6 बजे से 8:30 बजे तक भगत संजीव कुमार लुधियाना वालों ने संग्रांद सत्संग सुनाकर श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश दिया। इसके उपरांत संगत के लिए लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

सत्संग के बाद मंदिर परिसर में महा शिव रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान शिव का जलाभिषेक किया और सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस धार्मिक आयोजन में पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली सहित देश के विभिन्न राज्यों और विदेशों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

मंदिर प्रबंधक राम चरण गुप्ता ने बताया कि सिद्ध बाबा बालक नाथ एवं दुर्गा माता मंदिर में प्रत्येक वर्ष वार्षिक भंडारा उत्सव का आयोजन किया जाता है, जिसमें देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस वर्ष वार्षिक भंडारा 20 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। इसकी कड़ी में मंदिर परिसर में पांच दिनों तक प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि भंडारा उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं के लिए सत्संग, धार्मिक अनुष्ठान, लंगर सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ रही और पूरा वातावरण भक्ति एवं धार्मिक जयकारों से गूंजता रहा। इस अवसर पर संतोष गुप्ता, संजीव गुप्ता, ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी हिसार के चांसलर डा पुनीत गोयल, डॉ पूनम गोयल, कमल गुप्ता एवं मंदिर के सभी सेवादार उपस्थित रहे।

दिल्ली में दर्दनाक हादसा : ई-रिक्शा की बैटरी फटी, इमारत की पहली मंजिल में लगी आग, हादसे में दो लोगों की मौत

नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 अगस्त । रघुबीर नगर इलाके में सोमवार सुबह एक इमारत की पहली मंजिल पर ई-रिक्शा की बैटरी फटने से आग लग गई। हादसे में दो लोग झुलस गए। दोनों को उपचार के लिए रघुबीर नगर स्थित गुरु गोविंद सिंह अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इनकी पहचान 17 साल के सुफैद और 38 साल के मोहम्मद सामिद के रूप में हुई है।

दमकल विभाग के मुताबिक सोमवार तड़के करीब 4.42 बजे दमकल विभाग को रघुवीर नगर के आर ब्लॉक में स्थित एक मकान में आग लगने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि जिस इमारत में आग लगी वह चार मंजिला है। इमारत की पहली मंजिल पर ई-रिक्शा की बैटरी फटने के बाद घरेलू सामान में आग लगी थी। आग की चपेट में आने से दो लोग झुलस गए। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। दमकल कर्मियों ने 5.25 बजे आग पर काबू पा लिया। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

शराब पीने के दौरान हुआ विवाद और चल गई गोलियां, युवक के पेट और कंधे में लगी गोली

गाजियाबाद, यूटर्न/ 17 अगस्त । गाजियाबाद जिले के विजयनगर में रविवार की देर शाम शराब पीने के दौरान दो युवकों में धक्कामुक्की हो गई। माता कॉलोनी में रहने वाले अमन कुमार ने अपने दोस्त आकाश बिहारी पर एक के बाद एक कई राउंड फायरिंग कर दी। पेट और कंधे में गोली लगने से आकाश बिहारी गंभीर रूप से घायल हो गए। गाजियाबाद जिले के विजयनगर में रविवार की देर शाम शराब पीने के दौरान दो युवकों में धक्कामुक्की हो गई।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

कादियान-ब्यास रेल लाइनः सिर्फ. कनेक्टिविटी से कहीं ज्यादा

संदीप शर्मा

केंद्र सरकार ने 39.68 किलोमीटर लंबी कादियान-ब्यास रेलवे लाइन के लिए 1,419 करोड़ मंजूर किए हैं, जो पंजाब के लिए अच्छी खबर है—लेकिन इसे बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) के असल मकसद के बड़े नजरिए से भी देखा जाना चाहिए। रेलवे लाइन सिर्फ.जमीन पर बिछाई गई स्टील की पटरियां नहीं होतीं; माझा जैसे इलाके में, यह पूरे कस्बों और गांवों की आर्थिक तस्वीर बदल सकती है। सालों से, कादियान और प्रस्तावित रूट पर पड़ने वाली कई बस्तियां बड़े रेलवे नेटवर्क के पास होने के बावजूद उनसे ठीक से न जुड़ पाने की अजीब मुश्किल का सामना कर रही हैं। नई लाइन, जो ब्यास पहुंचने से पहले घुमन, बुटाला और साथियाला जैसी जगहों से गुजरेगी, इस असंतुलन को ठीक कर सकती है। हालांकि, असली परीक्षा तो घोषणा के बाद शुरू होगी। पंजाब में ऐसे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की कमी नहीं है जो कागज पर तो शानदार लगते हैं, लेकिन देरी, लागत बढ़ने और खराब काम की वजह से बेहद साधारण साबित होते हैं। कादियान-ब्यास लाइन को ऐसा कोई और वादा नहीं बनना चाहिए जिसका राजनीतिक फायदा तो लोगों को आर्थिक फायदा मिलने से बहुत पहले ही मिल जाए। इस प्रोजेक्ट का महत्व यात्रियों की सुविधा से कहीं ज्यादा है। बेहतर रेल कनेक्टिविटी से ट्रांसपोर्ट का खर्च कम हो सकता है, किसानों की बाजार तक पहुंच बेहतर हो सकती है, सामान की आवाजाही आसान हो सकती है और छोटे कस्बों को निवेश आकर्षित करने का बेहतर मौका मिल सकता है। ब्यास पहले से ही एक अहम रेलवे जंक्शन और कमर्शियल सेंटर है; कादियान और बीच में पड़ने वाली बस्तियों को इससे जोड़ने पर माझा इलाके में एक नया आर्थिक कॉरिडोर बन सकता है। इसका एक टूरिज्म (पर्यटन) वाला पहलू भी है। माझा का धार्मिक और ऐतिहासिक माहौल पर्यटकों को आकर्षित करता है, लेकिन कनेक्टिविटी ही अक्सर यह तय करती है कि टूरिज्म स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए एक इंजन बनेगा या बस गुजरते हुए ट्रैफि क तक ही सीमित रहेगा। एक भरोसेमंद रेल लिंक धार्मिक टूरिज्म को ऐसी चीज में बदलने में मदद कर सकता है जिससे होटलों, ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों, छोटे व्यवसायों और स्थानीय रोजगार को फायदा हो। इससे भी जरूरी बात यह है कि इस लाइन के पीछे एक रणनीतिक वजह भी है। गुरदासपुर इलाका अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास है, और एक अतिरिक्त रेलवे कॉरिडोर आपातकालीन स्थिति में मौजूदा अमृतसर-पठानकोट सेक्शन के लिए एक वैकल्पिक रास्ता दे सकता है। ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर जो आम लोगों और रणनीतिक, दोनों मकसदों को पूरा करता हो, असल में वही लंबे समय का निवेश है जिस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। लेकिन पंजाब को इस प्रोजेक्ट को एक और राजनीतिक उपलब्धि (ट्रॉफी) में बदलने के लालच से बचना चाहिए। रेलवे लाइन असल में उन लोगों की है जो इसका इस्तेमाल करेंगे—न कि उस नेता की जो इसकी घोषणा करता है या उस सरकार की जो इसे मंजूरी देती है। इस बात पर होड़ मचेगी कि इसका श्रेय किसे मिलना चाहिए। ये बहसें भले ही अच्छी राजनीतिक नौटंकी लगें, लेकिन उस किसान के लिए इनका कोई मतलब नहीं है जो अपनी उपज बाजार भेजना चाहता है, या उस परिवार के लिए जो अमृतसर तक जल्दी पहुँचना चाहता है। अब जो मायने रखता है, वह है काम को पूरा करना, समय-सीमा और जवाबदेही। 1,419 करोड़ की मंजूरी एक शुरूआत है, अपने आप में कोई उपलब्धि नहीं। असली उपलब्धि तब होगी जब पहली ट्रेन कादियान से ब्यास के लिए रवाना होगी—और जब रेलवे लाइन वह काम करने लगेगी जो अच्छे इंफ्रास्ट्रक्चर को करना चाहिएः दूरियाँ कम करना, लागत घटाना और आर्थिक मौके बढ़ाना। माझा के लिए, यह वाकई विकास की एक नई राह हो सकती है। लेकिन पंजाब ने कड़वे अनुभव से यह सीखा है कि मंजूरी मिले प्रोजेक्ट और असल में चालू होने वाले प्रोजेक्ट के बीच रेलवे का सबसे लंबा सफर तय करना पड़ता है।

चिंतन-मननः वाणी का शरीर पर प्रभाव

प्रसन्नता से होता है शरीर पुष्ट एवं प्रोध से होती है हानी

मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं,पियूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रनथियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है,खून के थक्के बनने लगते है। इसी प्रकार प्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यू भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की माँसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नही निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती हैं। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अतःवाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने बाला ना बना कर शांत चित बनाना चाहिए।

योजनाओं की भरमार, फिर भी बैगा बच्चों की मौत क्यों

आदिवासी स्वास्थ्य नीति की जमीनी परीक्षा

बालाघाट के बैगा समुदाय पर हुए वैज्ञानिक अध्ययन इस संकट की स्थानीय तस्वीर और स्पष्ट करता है। बैरहर, बालाघाट में 436 परिवारों के 1,197 लोगों पर किए गए सामुदायिक अध्ययन में पाया गया कि पूर्व-स्कूली बैगा बच्चों में दुर्बलता 42.3 प्रतिशत थी, जबकि उसी संदर्भ में ग्रामीण मध्यप्रदेश के बच्चों में यह लगभग 23.8 प्रतिशत थी। वयस्कों में भी क्रोनिक एनर्जी डिफीसिएन्सी अत्यधिक थी, पुरुषों में 55.8 प्रतिशत और महिलाओं में 62.9 प्रतिशत। अध्ययन में अनाज और मोटे अनाज के अलावा अन्य खाद्य पदार्थों तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों का सेवन अनुशंसित मात्रा से कम पाया गया।

राज कुमार सिन्हा

मध्यप्रदेश देश के सबसे बड़े आदिवासी राज्यों में है। 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य की लगभग 21.09 प्रतिशत आबादी अनुसूचित जनजाति से आती है। राज्य की बड़ी आदिवासी आबादी ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहती है, जहां गरीबी, रोजगार की अस्थिरता, शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच की समस्या आज भी गंभीर है। ऐसे में बालाघाट जिले के बैगा बहुल इलाकों से अगस्त 2026 में बच्चों की लगातार मौतों की खबर केवल एक स्थानीय स्वास्थ्य घटना नहीं है। यह मध्यप्रदेश की आदिवासी स्वास्थ्य और पोषण नीतियों की जमीनी सफलता पर बड़ा सवाल है।

बिरसा विकासखंड के कोण्डेकसा, बोंदारी, मछुल्दा, कोरका और आसपास के बैगा बहुल गांवों में बुखार तथा अन्य गंभीर लक्षणों के बाद बच्चों की मौत की खबर सामने आई है। सरकारी स्तर पर मृत बच्चों की संख्या आठ बताई गई है, जबकि नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने 19 बच्चों की मौत का आरोप लगाया है। इसलिए अंतिम मृत्यु संख्या और बीमारी के कारणों का निर्धारण स्वतंत्र चिकित्सकीय जांच के बाद ही किया जाना चाहिए। कुछ रिपोर्टों में बुखार, चकत्ते तथा कुछ मामलों में किडनी से संबंधित गंभीर लक्षणों का उल्लेख है। लेकिन एक बात इससे अलग और कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कि इन मौतों को केवल किसी एक संक्रामक बीमारी या अचानक फैली महामारी के रूप में देखकर मामला समाप्त नहीं किया जा सकता है। यदि बच्चे पहले से कुपोषित, एनीमिया से पीड़ित अथवा कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले हैं, तो सामान्य संक्रमण भी उनके लिए जानलेवा बन सकता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार मध्यप्रदेश में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में 35.7 प्रतिशत बौनापन, 19 प्रतिशत दुर्बलता, 33 प्रतिशत कम वजन और 6.5 प्रतिशत गंभीर दुर्बलता दर्ज की गई थी। लेकिन आदिवासी बच्चों की स्थिति इससे भी अधिक चिंताजनक रही है। जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण -5 आधारित आंकड़े बताते हैं कि देश में पांच वर्ष से कम उम्र के अनुसूचित जनजाति के बच्चों में बौनापन लगभग 40.9 प्रतिशत था। इसका अर्थ है कि आदिवासी बच्चों का पोषण संकट सामान्य आबादी के संकट से अलग और अधिक गंभीर सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों से जुड़ा हुआ है। बालाघाट के बैगा समुदाय पर हुए वैज्ञानिक अध्ययन इस संकट की स्थानीय तस्वीर और स्पष्ट करता है। बैरहर, बालाघाट में 436 परिवारों के 1,197 लोगों पर किए गए सामुदायिक अध्ययन में पाया गया कि पूर्व-स्कूली बैगा बच्चों में दुर्बलता 42.3 प्रतिशत थी, जबकि उसी संदर्भ में ग्रामीण मध्यप्रदेश के बच्चों में यह लगभग 23.8 प्रतिशत थी। वयस्कों में भी क्रोनिक एनर्जी डिफीसिएन्सी अत्यधिक थी,पुरुषों में 55.8 प्रतिशत और महिलाओं में 62.9 प्रतिशत। अध्ययन में अनाज और मोटे अनाज के अलावा अन्य खाद्य पदार्थों तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों का सेवन अनुशंसित मात्रा से कम पाया गया। इससे स्पष्ट है कि बैगा समुदाय का कुपोषण कोई नई घटना नहीं है। वैज्ञानिक अध्ययन वर्षों पहले चेतावनी दे चुके हैं कि पोषण संबंधी योजनाओं के बावजूद समस्या गंभीर बनी हुई है। बैगा बच्चों के मामले में कुपोषण को केवल इस आधार पर नहीं समझा जा सकता है कि परिवार को पर्याप्त अनाज मिला या नहीं। यदि बच्चे को चावल, मक्का अथवा अन्य अनाज पर्याप्त मात्रा में मिल भी जाए, लेकिन उसके भोजन में दाल, दूध, तेल, अंडा, फल, हरी सब्जियां और पशु-आधारित प्रोटीन की पर्याप्त उपलब्धता न हो तो वह कैलोरी तो प्राप्त कर सकता है, लेकिन उसका शरीर आवश्यक प्रोटीन, आयरन, विटामिन और अन्य माइक्रोन्यूट्रिएंट से वंचित रह सकता है। यही वह बिंदु है जहां सरकारी पोषण नीति की परीक्षा होती है। 2019 के एक अध्ययन ने बालाघाट के बैगा बच्चों के कुपोषण के सामाजिक कारणों की पड़ताल करते हुए पाया कि गरीबी, सार्वजनिक सेवाओं से असंतोष, सरकारी कर्मचारियों की उदासीनता और सेवाओं का कम उपयोग समस्या को बढ़ाते हैं। शोधकताओं ने केवल पोषण पूरक देने के बजाय समग्र दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत बताई थी। अर्थात समस्या बच्चे की थाली से शुरू होकर स्वास्थ्य केंद्र, आंगनवाड़ी, स्कूल, सड़क, रोजगार, पानी और सरकारी तंत्र तक जाती है। विडंबना यह है कि मध्यप्रदेश में बैगा सहित विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिए योजनाओं की कमी नहीं है।

राज्य की आहार अनुदान योजना 2017 से बैगा, भारिया और सहरिया जैसे विशेष पिछड़ी जनजातीय परिवारों को कुपोषण से मुक्ति के उद्देश्य से संचालित है। सरकारी पोर्टल पर भी इसका घोषित उद्देश्य विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों को कुपोषण से मुक्त करना बताया गया है।

जब आस्था की भीड़ में कुचल जाता है इंसान

कुमार कृष्णन

सावन का तीसरा सोमवार था। भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए लखीसराय के प्रसिद्ध अशोक धाम मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा था। सुबह-सुबह मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते आस्था और उम्मीद से भरे थे। लेकिन कुछ ही क्षणों में वही भीड़ चीख-पुकार में बदल गई। लोग भगवान तक पहुंचने के लिए निकले थे, मौत के मुंह में पहुंच गए।

लखीसराय के इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर, अशोक धाम में सोमवार सुबह हुई भगदड़ ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि हमारे धार्मिक स्थलों पर आस्था की भीड़ के लिए सुरक्षा की तैयारी कितनी गंभीर है। शुरूआती खबरों में मृतकों की संख्या छह और सात बताई गई, जबकि बाद की प्रशासनिक जानकारी में आठ महिला श्रद्धालुओं की मौत और नौ लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की बात सामने आई। घटना की अंतिम स्थिति आधिकारिक जांच और पुष्टि से ही स्पष्ट होगी।

हादसे की वजह को लेकर भी शुरूआती सूचनाओं में अंतर रहा। पहले बिजली के तार या खंभे से करंट लगने की बात सामने आई। बाद में जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार और एडीएम नीरज कुमार के हवाले से बताया गया कि बिजली आपूर्ति बंद थी और तार ढका हुआ था। अशोक धाम हाल्ट पर एक साथ दो ट्रेनें आने से अचानक भीड़ बढ़ी। कुछ युवकों की भाग-दौड़ के दौरान बिजली का एक खंभा गिर गया। इसके बाद करंट फैलने की अफवाह ने श्रद्धालुओं में दहशत पैदा कर दी।

लोग इधर-उधर भागने लगे। बैरिकेडिंग टूट गई और भगदड़ में लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरते चले गए।

यही इस घटना का सबसे भयावह पक्ष है। भगदड़ में हमेशा कोई एक चीज नहीं मारती। कभी अफवाह, कभी संकरी जगह, कभी टूटी बैरिकेडिंग, कभी अचानक बढ़ा दबाव और कभी प्रशासन की तैयारी तथा वास्तविक भीड़ के बीच का अंतर मौत का कारण बन जाता है। सवाल केवल अशोक धाम का नहीं है। सवाल यह है कि जब किसी धार्मिक आयोजन में हजारों लोगों के आने की संभावना पहले से मालूम होती है, तो भीड़ को अचानक आई आपदा की तरह क्यों देखा जाता है?

सावन का सोमवार कोई अनजान तारीख नहीं था। अशोक धाम में भारी भीड़ की संभावना पहले से थी। जिलाधिकारी के अनुसार वे रात तीन बजे के बाद से ही मौके पर मौजूद थे। सुबह छह बजे के बाद भीड़ तेजी से बढ़ रही थी। दो ट्रेनों के एक साथ आने से श्रद्धालुओं की संख्या अचानक बढ़ी। इसका अर्थ है कि संकट केवल भगदड़ के क्षण में पैदा नहीं हुआ। संकट धीरे-धीरे बन रहा था। भीड़ बढ़ रही थी, रास्ते भर रहे थे और लोगों का दबाव बढ़ रहा था। फिर एक छोटी-सी घटना हुई और सामूहिक भय ने सब कुछ अपने कब्जे में ले लिया। भीड़ के मनोविज्ञान की यही विडंबना है। एक व्यक्ति दौड़ता है तो वह भाग रहा होता है। सौ लोग दौड़ते हैं तो वह भगदड़ होती है। हजार लोग दौड़ते हैं तो रास्ता नहीं बचता। गिरा हुआ व्यक्ति उठ नहीं पाता, क्योंकि पीछे आने वाले को पता ही नहीं होता कि उसके पैरों के नीचे कोई जिंदगी पड़ी है। इसलिए भीड़ प्रबंधन का अर्थ केवल पुलिस की संख्या बढ़ाना नहीं है। भीड़ को चलाना, रोकना, मोड़ना, बांटना और सुरक्षित निकालना भी उतना ही जरूरी है।

अशोक धाम केवल एक मंदिर नहीं है। यह लखीसराय की धार्मिक चेतना और स्थानीय आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है। स्थानीय मान्यता के अनुसार इस स्थल का संबंध पाल काल से जुड़ा है। कहा जाता है कि आठवीं शताब्दी में पाल वंश के राजा नारायण पाल के समय यहां शिवलिंग की पूजा होती थी। एक अन्य परंपरा के अनुसार बारहवीं शताब्दी में राजा इंद्रद्युम्न ने यहां भव्य मंदिर का निर्माण कराया था। समय के साथ पुराना मंदिर नष्टहुआ और उसके अवशेष धरती के नीचे दब गए। अशोक धाम की आधुनिक कहानी 7 अप्रैल 1977 से जुड़ती है। स्थानीय परंपरा के अनुसार उस दिन अशोक नाम का एक बालक गिल्ली-डंडा खेल रहा था। खेलते समय उसकी नजर जमीन के नीचे दबे एक विशाल काले पत्थर पर पड़ी। बाद में उसे शिवलिंग माना गया। शिवलिंग इतना विशाल था कि उसे बाहर निकालना संभव नहीं हुआ।

यूक्रेन में लक्ष्मी मित्तल की स्टील प्लांट पर रूसी मिसाइल हमला, 2 की मौत; उत्पादन आंशिक रूप से ठप

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 अगस्त ।**

भारतीय उद्योगपति लक्ष्मी मित्तल की कंपनी आर्सेलरमित्तल क्रिवी रिह पर रूस द्वारा किए गए मिसाइल हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 कर्मचारी घायल हो गए। हमले में संयंत्र की कई महत्वपूर्ण उत्पादन इकाइयों को नुकसान पहुंचा है, जिसके चलते प्लांट में उत्पादन गतिविधियों को आंशिक रूप से रोकना पड़ा है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हमला यूक्रेन के क्रिवी रिह शहर में स्थित देश के सबसे बड़े स्टील संयंत्र पर हुआ, जो यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की का गृह नगर भी है। रूस और यूक्रेन के

बीच जारी युद्ध के दौरान यह क्षेत्र बार-बार हमलों का निशाना बनता रहा है, लेकिन ताजा हमला औद्योगिक गतिविधियों पर बड़ा प्रभाव डालने वाला माना जा रहा है।

आर्सेलरमित्तल क्रिवी रिह ने एक बयान में कहा कि मिसाइल हमले के कारण बिजली उत्पादन और ब्लास्ट फर्नेस संचालन से जुड़ी प्रमुख सुविधाएं क्षतिग्रस्त हो गई हैं। कंपनी के अनुसार, इन महत्वपूर्ण इकाइयों को हुए नुकसान की वजह से उत्पादन प्रक्रियाएं बाधित हुई हैं और संयंत्र का संचालन आंशिक रूप से रोकना पड़ा है।

कंपनी ने कहा, 'हमले के परिणामस्वरूप ऊर्जा उत्पादन और ब्लास्ट फर्नेस क्षेत्र की प्रमुख उत्पादन सुविधाएं क्षतिग्रस्त हुई हैं, जिसके कारण संयंत्र की उत्पादन प्रक्रियाएं आंशिक रूप से ठप हो गई हैं।' यह हमला ऐसे समय हुआ है जब रूस और यूक्रेन के बीच लंबी दूरी के हमले और तेज हो गए हैं। दोनों पक्ष हाल के दिनों में बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले कर रहे हैं और ऊर्जा, औद्योगिक तथा सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहे हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूसी सेना लगातार नागरिक और औद्योगिक ढांचे को निशाना बना रही है। उन्होंने दावा किया कि पिछले एक सप्ताह के दौरान रूस ने यूक्रेन के विभिन्न शहरों पर 1,550 से अधिक अटैक ड्रोन, लगभग 1,560 गाइडेड बम और 62 मिसाइलें दागी हैं। दूसरी ओर, रिपोर्ट्स के मुताबिक रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि क्रिवी रिह स्थित धातुकर्म संयंत्र और कीव के कुछ सैन्य-औद्योगिक प्रतिष्ठान उसके निशानों में शामिल थे। रूस ने यह भी दावा किया है कि उसने यूक्रेन द्वारा दागे गए 822 ड्रोन को मार गिराया है।

संक्षिप्त खबरें

रुपया 17 पैसे टूटकर 95.59 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई, यूटर्न/ 17 अगस्त । शुरूआती कारोबार में रुपया सोमवार को 17 पैसे की गिरावट के साथ 95.59 प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.50 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 95.59 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को तीन पैसे मजबूत होकर 95.42 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.54 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा एफसीएनआर (बी) जमा के लिए अपनी मुद्रा अदला-बदली सुविधा केवल 31 अगस्त तक जुटाई गई जमाओं के लिए उपलब्ध होने की घोषणा के बाद से निवेशक सतर्क हैं।

स्वतंत्रता दिवस सेल में इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में रिकॉर्ड तोड़ उछाल

दिल्ली, यूटर्न/ 17 अगस्त। देश में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर स्मार्टफोन, लैपटॉप और टेलीविजन जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की बिक्री में शानदार वृद्धि दर्ज की गई। इन उत्पादों की कीमतों में 40 फीसदी तक की बढ़ोतरी के बावजूद ग्राहकों का उत्साह देखने लायक था, जो आगामी त्योहारी सीजन के लिए बाजार में नई ऊर्जा का संचार कर रहा है। बिक्री में जबरदस्त इजाफा ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल के मुकाबले बिक्री मूल्य में 25 फीसदी और वॉल्यूम में 5-7 फीसदी तक का इजाफा हुआ। ब्रांड्स, रिटेलर्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स, सभी को इस सेल का भरपूर फायदा मिला। फ्लिपकार्ट पर कई आईफोन और टेलीविजन मॉडल पूरी तरह बिक गए, वहीं ऐमजॉन इंडिया पर प्रीमियम उत्पादों की मांग सामान्य से दोगुनी से अधिक बढ़ी।

हीरो मोटोकॉर्प 2027 में लॉन्च करेगी अपनी पहली इलेक्ट्रिक बाइक

नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 अगस्त । हीरो मोटोकॉर्प ने वर्ष 2027 में अपनी पहली इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च करने की घोषणा की है, जिससे भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में उसकी उपस्थिति और मजबूत होगी। यह नई बाइक पूरी तरह से दो नए, बाइक-विशिष्ट प्लेटफॉर्म - यूबेक्स और वीएक्सजेड - पर विकसित की जा रही है, जो कंपनी के मौजूदा विडा स्कूटर के प्लेटफॉर्म से बिल्कुल अलग होंगे। कंपनी का लक्ष्य ऐसी इलेक्ट्रिक बाइक बनाना है जो बेहतर प्रदर्शन, आरामदायक सवारी, चढ़ाई की प्रभावशाली क्षमता और लंबी दूरी की यात्रा प्रदान कर सके। यूबेक्स प्लेटफॉर्म शहरी उपयोग के लिए डिजाइन की गई आधुनिक और स्पोर्टी बाइकों पर केंद्रित होगा, जबकि वीएक्सजेड को साहसिक यात्राओं और कठिन रास्तों के लिए उच्च-प्रदर्शन वाली ईवी बाइक के रूप में तैयार किया जा रहा है। वीएक्सजेड परियोजना में, हीरो मोटोकॉर्प अमेरिका की प्रसिद्ध जीरो मोटरसाइकिल के साथ मिलकर काम कर रही है, जिसकी विशेषज्ञता ईवी बाइक तकनीक में गहरी है। भारत में इसके डिजाइन से संबंधित पेटेंट भी दाखिल किए गए हैं। हालांकि, कंपनी ने अभी तक नई ईवी बाइक की कीमत, बैटरी क्षमता या अधिकतम दूरी से जुड़ी कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है। इस बीच, हीरो मोटोकॉर्प अपने विडा ईवी स्कूटर व्यवसाय का भी विस्तार कर रही है, जिसका मासिक उत्पादन 2027 तक 45,000 इकाई तक बढ़ाने की योजना है। भारतीय ईवी दोपहिया वाहनों की बढ़ती मांग के बीच हीरो मोटोकॉर्प का यह कदम बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारत बना दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मत्स्य उत्पादक देश, वैश्विक उत्पादन में 8 प्रतिशत का योगदान : सरकार

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 अगस्त ।**

भारत का मत्स्य और जलीय कृषि (फिशरीज एंड एक्वाकल्चर) क्षेत्र तेजी से देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरा है। सरकार ने सोमवार को कहा कि भारत आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है और वैश्विक मत्स्य उत्पादन में उसकी करीब 8 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके अलावा भारत जलीय कृषि उत्पादन में भी दुनिया में दूसरे स्थान पर है, जबकि झींगा उत्पादन और निर्यात में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देशों में शामिल है।

मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के अनुसार, यह क्षेत्र देश में लगभग 3 करोड़ मछुआरों और मत्स्य किसानों की आजीविका से जुड़ा हुआ है। साथ ही मत्स्य मूल्य श्रृंखला के विभिन्न चरणों में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराता है।

सरकार ने बताया कि वर्ष 2015 से अब तक मत्स्य क्षेत्र के सतत विकास और आधुनिकीकरण के लिए 39,272 करोड़ रुपए का संचयी निवेश किया गया है। यह निवेश ब्लू रिवोल्यूशन योजना, फिशरीज एंड एक्वाकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (एफआईडीएफ), प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) तथा इसकी उप-योजना प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (पीएम-एमकेएसएसवाई) के माध्यम से किया गया है।

मंत्रालय ने आगे कहा कि भारत के मत्स्य क्षेत्र का भविष्य युवाओं, मछुआरों और मछली किसानों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर है। आज यह वर्ग आधुनिक जलीय कृषि तकनीकों, डिजिटल ट्रेसबिलिटी, कोल्ड-चेन प्रबंधन, वैल्यू एडिशन, ब्रांडिंग, मार्केटिंग और निर्यात गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सरकार का मानना है कि युवाओं और उद्यमशील किसानों की बढ़ती भागीदारी भारत की ब्लू इकोनॉमी को नई गति देगी और मत्स्य क्षेत्र को आर्थिक विकास के प्रमुख इंजन के रूप में स्थापित करेगी।

गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 8 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना को मंजूरी दी थी। यह प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत एक केंद्रीय क्षेत्र की उप-योजना है, जिसे वित्त वर्ष 2023-24 से 2026-27 तक चार वर्षों की अवधि के लिए लागू किया जा रहा है।

इस योजना के लिए 6,000 करोड़ रुपए का अनुमानित प्रावधान किया गया है और इसे देश के सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में लागू किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य वित्तीय और तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से मत्स्य क्षेत्र की संरचनात्मक कमजोरियों को दूर करना तथा दीर्घकालिक संस्थागत सुधारों को बढ़ावा देना है। सरकार के अनुसार, यह योजना उत्पादकता बढ़ाने, आधुनिक तकनीक अपनाने, बाजार पहुंच मजबूत करने और मत्स्य किसानों की आय में वृद्धि करने पर केंद्रित है।

पुराने वाहनों के लिए ई20 के साथ फिर से ई10 पेट्रोल उपलब्ध कराने की जरूरत: सीईए नागेश्वरन

नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 अगस्त । भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने देश के पुराने वाहन बेड़े, विशेषकर पुराने दोपहिया वाहनों को ध्यान में रखते हुए ई20 पेट्रोल के साथ ई10 पेट्रोल को वापस लाने का प्रस्ताव रखा है। उनका कहना है कि इससे पुराने वाहनों के इंजन की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और एथेनॉल मिश्रित ईंधन को लेकर लोगों की चिंताएं भी कम होंगी। द इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित एक लेख में नागेश्वरन ने कहा कि ई20 पेट्रोल से वाहनों के इंजन को व्यापक नुकसान पहुंचने की आशंकाओं का समर्थन उपलब्ध वैज्ञानिक और परीक्षण संबंधी प्रमाण नहीं करते। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर ई20 को लेकर कई दावे किए गए हैं, लेकिन वास्तविक आंकड़े उनसे काफी अलग हैं। नागेश्वरन के अनुसार, एथेनॉल में पेट्रोल की तुलना में लगभग दो-तिहाई ऊर्जा सामग्री होती है। इस कारण ई20 पेट्रोल के उपयोग से ईंधन दक्षता पर कुछ असर पड़ता है, लेकिन यह प्रभाव लगभग 7 प्रतिशत तक सीमित है, न कि उतना अधिक जितना कई मंचों पर दावा किया जाता है। उन्होंने बताया कि अमेरिका और भारत में किए गए परीक्षणों में यह नहीं पाया गया कि ई20 के लिए प्रमाणित नहीं किए गए वाहनों में इंजन घिसाव या यांत्रिक क्षति में कोई उल्लेखनीय वृद्धि हुई हो।

भारत सरकार घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाएगी, आयात पर निर्भरता घटेगी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 अगस्त ।**

भारत सरकार ने घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की उपलब्धता बढ़ाने और आयात पर निर्भरता घटाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। पहली बार देश की प्रमुख रिफाइनरी और तेल-गैस कंपनियों के लिए एलपीजी उत्पादन की अधिकतम सीमा तय की गई है। पश्चिम एशिया संकट और हॉरमुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधित होने के अनुभवों के बाद यह फैसला लिया गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा 13 अगस्त को जारी आदेश में 21 रिफाइनरी और अपस्ट्रीम कंपनियों के लिए कुल 63,810 टन प्रतिदिन एलपीजी उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। यह वित्त वर्ष 2026 के अनुमानित घरेलू उत्पादन से दोगुना तथा देश की दैनिक खपत का लगभग 70 फीसदी है। इस पहल के तहत रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर रिफाइनरी को सबसे बड़ा लक्ष्य दिया गया है, जिसे जरूरत पड़ने पर 18,000 टन एलपीजी प्रतिदिन तक उत्पादन करना होगा। नायरा एनर्जी को 4,480 टन, जबकि ओएनजीसी और गेल जैसी कंपनियों को मिलाकर 6,460 टन प्रतिदिन का लक्ष्य मिला है। सार्वजनिक क्षेत्र की 18 रिफाइनरियों के लिए कुल 31,470 टन प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान में भारत अपनी एलपीजी आवश्यकता का 64 फीसदी से अधिक आयात करता है, जिसमें से लगभग 90 फीसदी आपूर्ति पश्चिम एशिया और हॉरमुज जलडमरूमध्य मार्ग से होती है। यही निर्भरता पश्चिम एशिया संकट के दौरान एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी थी, जब सरकार को पेट्रोकेमिकल्स के लिए इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल को एलपीजी उत्पादन की ओर मोड़ना पड़ा था। सरकार ने केवल उत्पादन लक्ष्य ही नहीं, बल्कि भंडारण, परिवहन और आपूर्ति के लिए पर्याप्त बुनियादी ढाँचा तैयार रखने का भी निर्देश दिया है। कंपनियों को तकनीकी और आर्थिक रूप से संभव उपायों जैसे नेफ्था को एलपीजी में बदलने पर भी विचार करने को कहा गया है। इस शेड्यूल की समीक्षा हर छह महीने में की जाएगी, जिसका लक्ष्य भारत को एलपीजी के लिए विदेशी आपूर्ति पर कम निर्भर बनाना और भविष्य में किसी भी संकट से निपटना है।

8वें वेतन आयोग में 69000 रुपए हो जाएगी न्यूनतम सैलरी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 अगस्त ।**

केंद्रीय कर्मचारियों को आठवें वेतन आयोग से बड़ी उम्मीदें हैं, खासकर फिटमेंट फैक्टर में बढ़ोतरी को लेकर। कर्मचारी यूनियनों ने इसे 3.83 करने की मांग की है, जिससे न्यूनतम मूल वेतन में 18,000 रुपए से बढ़कर करीब 69,000 रुपए तक का बंपर उछाल आ सकता है। आइए समझते हैं इस मांग का गणित और पिछले बदलावों को। फिटमेंट फैक्टर और वेतन वृद्धि का गणित 8वें वेतन आयोग को लेकर कर्मचारी यूनियनों की सबसे प्रमुख मांग फिटमेंट फैक्टर को 3.83 करना है।

फिटमेंट फैक्टर वह आंकड़ा है जो मूल वेतन को नई संरचना में बदलता है। 7वें वेतन आयोग में 2.57 फिटमेंट फैक्टर लागू होने से न्यूनतम मूल वेतन 7,000 रुपए से बढ़कर 18,000 रुपए हुआ था।

यदि अब यह बढ़कर 3.83 होता है, तो वर्तमान 18,000 का न्यूनतम बेसिक-पे सीधे 18,000 ७ 3.83 = 68,940 (लगभग 69,000 रुपए) हो जाएगा, जो एक बड़ा उछाल होगा। पहले वेतन आयोग से अब तक का सफर भारत में पहला वेतन आयोग 1946 में 55 रुपए न्यूनतम मूल वेतन के साथ लागू हुआ था।

समय के साथ इसमें लगातार बढ़ोतरी हुई और दूसरे वेतन आयोग में 80, तीसरे में 196, चौथे में 750 और पांचवें (1.74 एफएफ) में 2,550 हुआ। छठे वेतन आयोग (2006) में 1.86 फिटमेंट फैक्टर के साथ न्यूनतम वेतन 7,000 और सातवें (2016) में 2.57 फिटमेंट फैक्टर से 18,000 निर्धारित हुआ।

अधिकतम मूल वेतन भी 2,000 से 2.5 लाख रुपए तक बढ़ा। हालांकि, आठवें वेतन आयोग के तहत न्यूनतम मूल वेतन को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है। वेतन वृद्धि पर अंतिम निर्णय आयोग की सिफारिशों और सरकार की आधिकारिक अधिसूचना के बाद ही स्पष्ट होगा।

जवाहर कॉलोनी में तीन माह से पानी की किल्लत, लोग परेशान

» फरीदाबाद, यूटर्न/ 17 अगस्त

जवाहर कॉलोनी में पिछले करीब तीन माह से पानी की समस्या बनी हुई है। नियमित जलापूर्ति नहीं होने से इलाके के लोगों को रोजमर्रा के कामों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लंबे समय से समस्या का समाधान नहीं होने से स्थानीय लोगों में नाराजगी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पहुंच रहा है। कई बार पानी आता भी है तो कम दबाव के कारण घरों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पाता। कपड़े धोने और घर की साफ-सफाई जैसे जरूरी काम प्रभावित हो रहे हैं। लोगों को मजबूरी में पानी खरीदकर काम चलाना पड़ रहा है। इससे उनपर अतिरिक्त खर्च का बोझ बढ़ रहा है।

स्थानीय निवासी सुमित्रा ने बताया कि करीब तीन महीने से पानी की समस्या बनी हुई है। घर के जरूरी कामों के लिए भी पानी जुटाना पड़ रहा है। कई बार बाहर से पानी लाना पड़ता है, जिससे काफी परेशानी होती है। वहीं, निवासी केतन ने बताया कि पानी की कमी के कारण सुबह के समय सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। इसकी शिकायत कई बार प्रशासन को दी गई, लेकिन अब तक इस समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। लोगों ने जवाहर कॉलोनी में जलापूर्ति व्यवस्था की जांच कराने, समस्या का कारण पता लगाने और जल्द नियमित पानी की आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। इससे लोगों को जल्द से जल्द राहत मिल सकेगी।

गैस कनेक्शन बंद होने के नाम पर 3 .35 लाख की ठगी

जसवंत सिंह ने बताया कि उनके मोबाइल फोन पर 31 जुलाई को मैसेज आया, इसमें गैस कनेक्शन बंद होने और कनेक्शन चालू रखने के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करने को लिखा था।

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 17 अगस्त

कविनगर क्षेत्र की लैंड क्राफ्ट सोसायटी निवासी जसवंत को साइबर ठगों ने गैस कनेक्शन बंद होने का मैसेज भेजकर 3.35 लाख ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। जसवंत सिंह ने बताया कि उनके मोबाइल फोन पर 31 जुलाई को मैसेज आया, इसमें गैस कनेक्शन बंद होने और कनेक्शन चालू रखने के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करने को लिखा था। उन्होंने बात की तो सामने वाले एक लिंक भेजा और उसे डाउनलोड करके जानकारी भरने के लिए कहा। उन्होंने जो फाइल भेजी थी वह एपीके फाइल थी। डाउनलोड कर अपने क्रेडिट कार्ड की जानकारी भरी तो मोबाइल फोन हैक हो गया और 3.35 लाख रुपये कट गए। एसीपी कविनगर सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि जिन खातों में रकम गई है, उनको फ्रीज कराने की कार्रवाई की जा रही है।

कोर्ट के आदेश पर बिल्डरों के खिलाफ रिपोर्ट

मोरटा में निमार्णाधीन सोसायटी के बिल्डरों के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर मधुबन बापूधाम थाने में धोखाधड़ी, अमानत में खयानत करने समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। साझेदारी फर्म के विधिक प्रतिनिधि राजेंद्र प्रसाद की शिकायत पर कोर्ट ने रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए। राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि बिल्डर अजय, विकास भसीन, अनु भसीन, उसामा चौधरी, सनी बजाज समेत नौ की भूमिका पूरे घटनाक्रम में रही। आरोपियों ने खुद को भूमि का मालिक बताया। रेरा में भी गलत दस्तावेज दाखिल किए गए। लोगों से भी धोखाधड़ी करके उनको फ्लैट, जमीन बेचने का लालच दिया गया। इसके एवज में बड़ी धनराशि जुटाई गई। शिकायत करने के बावजूद पुलिस ने इनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई तो अदालत से गुहार लगाई गई। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि जांच शुरू कर दी है जल्द ही साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

निवेश के नाम पर साढ़े पांच लाख ठगे

साइबर ठगों ने मोटी कमाई का लालच देकर राजनगर एक्सटेंशन के मनोज कुमार से साढ़े पांच लाख की ठगी को अंजाम दिया। थाने में दी शिकायत में मनोज ने बताया कि उन्होंने सोशल मीडिया पर निवेश संबंधी विज्ञापन देखकर संपर्क किया। सामने बात करने वाले आरोपी ने उनको फर्जी एप डाउनलोड करा दिया। पहले 10 हजार रुपये ट्रांसफर कराए और फिर एप पर चार दिन में ही 10 हजार के साढ़े 12 हजार रुपये दिखने लगे। आरोपियों के कहने पर 15 बार में साढ़े पांच लाख रुपये दिए गए खातों में भेज दिए। उन्होंने रुपये निकालने का प्रयास किया तो वह निकाल नहीं सके।

चाइनीज मांझे का कारोबार, व्यवस्था के दावों पर सवाल

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 17 अगस्त ।

चाइनीज मांझा जानलेवा है, इस पर प्रतिबंध है और इसके कारण लोगों की जान तक जा चुकी है। इसके बावजूद शहर में इसका कारोबार थमता नजर नहीं आ रहा। सवाल यह है कि जब प्रशासन को इसकी बिक्री और भंडारण की जानकारी है, हादसों का रिकॉर्ड भी सामने है और पुलिस को कार्रवाई के निर्देश भी हैं तो प्रतिबंधित मांझा बाजार तक पहुंच कैसे रहा है? इससे भी बड़ा सवाल यह है कि बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई इतनी कमजोर क्यों है कि मामला दर्ज होने के बाद उन्हें थाने से ही जमानत मिल जाती है?

चाइनीज मांझे से हादसे में मौत होने पर हत्या का मामला दर्ज करने के आदेश दिए गए हैं, लेकिन मांझे की बिक्री और भंडारण करने वालों पर पुलिस बीएनएस की धारा 223बी, 125 और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की धारा 5 और 6 के तहत कार्रवाई करती है। अधिकारियों के मुताबिक ये धाराएं जमानती हैं। यानी जिस मांझे को जानलेवा मानकर प्रतिबंधित किया गया है, उसके कारोबार में पकड़े जाने के बाद आरोपी थाने से ही बाहर आ जाता है।

550 रील पकड़ीं, थाने से ही छोड़ा

हाल में लोनी थाने में दर्ज मामला व्यवस्था की कार्रवाई पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। इसी 29 जुलाई को इंद्रपुरी में चाइनीज मांझे की करीब 550 रील पकड़ी गई थीं। मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन इनको थाने से ही जमानत मिल गई थी। बाद में एक

कांस्टेबल का आरोपियों से रुपये के लेनदेन के संबंध में वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था और उसे निलंबित कर दिया गया था। इस संबंध में डीसीपी देहात सुरेंद्र नाथ तिवारी का कहना है कि चाइनीज मांझे के मामले में धाराओं में सात वर्ष से कम की सजा का प्रावधान होने के कारण आरोपियों को थाने से जमानत देनी पड़ती है। उन्होंने बताया कि पुलिस की मिलीभगत की जांच की जा रही है।

15 अगस्त पर पतंगबाजी, लेकिन एडवाइजरी नहीं

मकर संक्रांति से बसंत पंचमी के बीच पुलिस-प्रशासन चाइनीज मांझे को लेकर एडवाइजरी जारी करता है। बाजारों में छापेमारी और जागरूकता अभियान भी चलाए जाते हैं। स्वतंत्रता दिवस पर भी जिले में बड़े पैमाने पर पतंगबाजी होती है। खासकर डीएमई और एनएच-9 के आसपास कई कॉलोनियां हैं, जहां इस दिन पतंग उड़ाई जाती हैं। इसके बावजूद इस बार पुलिस-प्रशासन की ओर से कोई एडवाइजरी जारी नहीं की गई और न तो इन इलाकों में हाईवे से गुजरने वाले दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम दिखे।

प्रतिबंधित मांझा मांग पर उपलब्ध

हादसे के बाद साहिबाबाद, मालीवाड़ा और खोड़ा की कुछ दुकानों पर चाइनीज मांझे के बारे में पड़ताल की गई। दुकानदारों ने मांग पर मांझा उपलब्ध होने की बात कही। उनका कहना था कि इसमें जोखिम है, इसलिए इसकी कीमत अधिक है। कुछ दुकानदारों ने 15 अगस्त के बाद स्टॉक खत्म होने की बात कही। सामान्य मांझे की एक रील 100 से 200 रुपये तक मिलती है, जबकि चाइनीज मांझे की कीमत 100 रुपये से शुरू होकर 300 से 400 रुपये तक बताई गई। यानी महंगा होने के बावजूद इसकी मांग बनी हुई है। दुकानदारों के मुताबिक इसकी वजह यह है कि चाइनीज मांझे से पतंग काटना आसान होता है।

तीन साल में 18 केस, हजारों रील जब्त

चाइनीज मांझे को लेकर जिले में तीन वर्षों में 18 केस दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है। विभिन्न मामलों में हजारों रील जब्त होने का दावा किया गया है। इसके बावजूद इसका बाजार खत्म नहीं हुआ। एनिमल वेलफेयर अधिकारी गौरव गुप्ता के अनुसार चाइनीज मांझा प्लास्टिक व नायलॉन से तैयार होता है और उस पर कांच भी लगाया जाता है। सामान्य धागे के मुकाबले अधिक मजबूत होने के कारण शरीर का जो हिस्सा इसकी चपेट में आता है, उसे गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।

हादसे होते रहे, सबक नहीं

- जुलाई 2026: कनावनी गांव में छात्र की दो उंगलियां चाइनीज मांझे की चपेट में आकर कट गईं।

- अगस्त 2025: मोदीनगर के निवाड़ी क्षेत्र में युवक चाइनीज मांझे से घायल हुआ।

- जनवरी 2025: हापुड़ रोड पर स्कूटी सवार युवक की गर्दन मांझे की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हुई।

अब टीम बनाने का दावा

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजकरण नय्यर का कहना है कि हादसे के बाद जिले के सभी थानों में टीम बनाई गई है। ये टीमें चाइनीज मांझे की बिक्री करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

आरोग्य मेले में नहीं मिली जांच की सुविधा, 652 मरीज किए गए रेफर

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 17 अगस्त ।

आरोग्य मेले में इलाज की उम्मीद लेकर पहुंचे मरीजों को कई केंद्रों पर जांच की सुविधा नहीं मिल सकी। आवश्यक जांच के लिए उन्हें जिला अस्पतालों और अन्य उच्च स्वास्थ्य केंद्रों के लिए रेफर किया गया। इससे मरीजों और उनके परिजनों को पहले स्वास्थ्य केंद्र और फिर जिला अस्पताल की दौड़ लगानी पड़ी। रविवार को जिले के 53 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित आरोग्य मेले में 4112 मरीज पहुंचे। इनमें 652 मरीजों को जांच और बेहतर उपचार के लिए उच्च

स्वास्थ्य केंद्रों के लिए रेफर किया गया।

स्वास्थ्य केंद्रों पर बुखार, पेट दर्द, उल्टी, घुटनों में दर्द समेत मौसमी बीमारियों के मरीज अधिक पहुंचे। चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के बाद मरीजों को दवाएं दीं। गंभीर हालत वाले 141 मरीजों को स्वास्थ्य केंद्रों पर भर्ती कर उपचार दिया गया। जिन मरीजों की आवश्यक जांच केंद्रों पर नहीं हो सकी, उन्हें जिला अस्पताल भेजा गया।

जांच के नाम पर किया रेफर

पप्पू कॉलोनी स्थित नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर बुखार और तेज कमजोरी की शिकायत लेकर पहुंचे राहुल को चिकित्सक ने आगे की जांच की सलाह दी। केंद्र पर आवश्यक जांच की सुविधा नहीं होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। उनके परिजन राधेश्याम ने बताया कि वह पीएचसी पर इलाज की उम्मीद में पहुंचे थे, लेकिन जांच के लिए जिला अस्पताल जाना पड़ा।

शांतिनगर क्षेत्र में पेट दर्द और उल्टी की शिकायत लेकर पहुंची सोनिया को भी चिकित्सकों ने जांच की सलाह दी। स्वास्थ्य केंद्र पर संबंधित जांच की सुविधा नहीं होने के कारण उन्हें संयुक्त अस्पताल डूंडाहेड़ा भेज दिया गया। महिला के परिजन ने बताया कि आरोग्य मेले में इलाज की उम्मीद थी, लेकिन जांच के लिए दूसरी जगह जाना पड़ा।

नोडल अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता ने बताया कि आरोग्य मेले में मौसमी बीमारियों के मरीज अधिक पहुंचे।

संक्षिप्त खबरें

ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर 16.93 लाख रुपये की ठगी

फरीदाबाद, यूटर्न/ 17 अगस्त । साइबर ठगों ने ट्रेडिंग में मुनाफा कमाने का झांसा देकर सेक्टर-76 निवासी एक व्यक्ति से 16.93 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर क्राइम सेंट्रल थाने में दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता संजीव सिंह ने पुलिस को बताया कि 29 जून को उन्हें व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया था। ग्रुप में संदेश भेजकर कहा गया कि मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के साथ ट्रेडिंग करने के लिए क्यूआईबी (क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर) खाता खुलवाना होगा। इसके बाद आरोपियों ने उनसे आधार कार्ड और बैंक खाते की जानकारी व्हाट्सएप पर मंगवा ली। कुछ समय बाद उनके नाम से क्यूआईबी खाता खोल दिया गया। आरोपियों ने उनसे प्ले स्टोर से मोतीलाल ओसवाल के नाम से एक एप डाउनलोड करवाया और उस पर ट्रेडिंग शुरू करवाई। संजीव के अनुसार, एप में उन्हें मुनाफा दिखाई देने लगा। जब उन्होंने मुनाफे की रकम निकालने का प्रयास किया तो आरोपियों ने 15 प्रतिशत कमीशन के नाम पर करीब 4.80 लाख रुपये की मांग की। आरोपियों के बताए अलग-अलग बैंक खातों में 29 जून से 24 जुलाई के बीच कुल 16.93 लाख रुपये ट्रांसफर किए गए। बाद में उन्हें ठगी का पता चला। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि शनिवार को आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जांच शुरू कर दी है।

प्लॉट में मिला नवजात का शव

फरीदाबाद, यूटर्न/ 17 अगस्त । डबुआ थाना क्षेत्र के गाजीपुर गांव के पास उड़िया कॉलोनी में रविवार सुबह प्लॉट में नवजात शिशु का शव मिला। शव लाल रंग के कपड़े में लिपटा हुआ था। कुत्ते उसे मुंह में दबाकर ले जाने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान वहां से गुजर रहे युवक की नजर कुत्तों पर पड़ी और उसने शव को सुरक्षित किया। स्थानीय निवासी संतोष ने बताया कि वह सुबह करीब 10 बजे प्लॉट के पास से गुजर रहे थे। उन्होंने कुछ कुत्तों को लाल रंग का कपड़ा मुंह में दबाकर ले जाते देखा। लोगों ने घटना की सूचना डबुआ थाना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए बीके अस्पताल भेज दिया। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि नवजात को वहां कौन छोड़कर गया। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि प्रथम दृष्टया नवजात करीब एक दिन का प्रतीत हो रहा है।

प्रियंका चोपड़ा

ने कहा 40 की उम्र के लोगों की कोई टाइमलाइन नहीं है, बस वाइब्स है

बॉलीवुड की देसी गर्ल यानी प्रियंका चोपड़ा ने 40 की उम्र पार कर ली है। अभिनेत्री ने अपनी उम्र से जुड़े पड़ावों को मजेदार अंदाज में समझाते हुए सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि 40 के बाद भी लाइफ फुल ऑन मस्ती और वाइब्स से भरी होती है।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट शेयर किया। इसमें उन्होंने बताया कि 40 की उम्र के लोग कुछ जवां , तो कुछ की मांसपेशियां खींच जाती हैं। कोई इस उम्र में दादी बन जाता है, कोई नया बच्चा पैदा करता है, कोई 20 साल की शादी की सालगिरह मनाता है और कोई यंग लड़के-लड़की को डेट करता है।

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा द्वारा शेयर किए गए नोट में लिखा, '40 की उम्र में आना बहुत अजीब है, एक दोस्त दादी बन गई है, एक का अभी-अभी बच्चा हुआ है, एक अपनी शादी की 20वीं सालगिरह मना रही है और एक 25 साल के लड़के को डेट कर रही है। हममें से आधे लोग 28 के लगते हैं और आधे लोग सोते-सोते ही मांसपेशी खींच लेते हैं। कोई टाइमलाइन नहीं है, बस वाइब्स हैं।' अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की बात करें, तो वे निर्देशक एस. एस. राजामौली की आगामी पैन इंडिया फिल्म 'वाराणसी' से तमिल सिनेमा में डेब्यू करने जा रही हैं। यह फिल्म भारतीय के जरिए वे भारतीय सिनेमा में वापसी भी कर रही हैं। एक्शन-एडवेंचर फिल्म वाराणसी में अभिनेत्री 'मंदाकिनी' नाम की एक मुख्य भूमिका निभा रही हैं और उनके साथ सुपरस्टार महेश बाबू भी मुख्य किरदार (रुद्र) में हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन भी फिल्म में कुंभा नाम के व्यक्ति का अहम रोल निभाते नजर आएंगे। यह एक समय यात्रा (टाइम-ट्रैवल) और ग्लोबल एक्शन-एडवेंचर फिल्म है, जिसकी कहानी वाराणसी शहर और एक आसन्न संकट के इर्द-गिर्द घूमती है। यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा द्वारा शेयर किए गए नोट में लिखा, '40 की उम्र में आना बहुत अजीब है, एक दोस्त दादी बन गई है, एक का अभी-अभी बच्चा हुआ है, एक अपनी शादी की 20वीं सालगिरह मना रही है और एक 25 साल के लड़के को डेट कर रही है। हममें से आधे लोग 28 के लगते हैं और आधे लोग सोते-सोते ही मांसपेशी खींच लेते हैं। कोई टाइमलाइन नहीं है, बस वाइब्स हैं।'

तब्बू स्लमडॉग 33 टेंपल रोड में निभाएगी डिप्टी कमिश्नर रोल

साउथ की स्लमडॉग 33 टेंपल रोड फिल्म में अभिनेता विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। फिल्म में तब्बू निडर डिप्टी कमिश्नर गौरी हेगड़े का रोल कर रही है। अब मेकर्स ने अभिनेत्री तब्बू के दमदार किरदार की झलक जारी कर दी है, जिससे फिल्म को लेकर चर्चा और तेज हो गई है। फिल्ममेकर्स ने सोशल मीडिया पर तब्बू के किरदार का एक खास वीडियो जारी किया, जिसे निर्देशक पुरी जगन्नाथ ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया। उन्होंने तब्बू को भारतीय सिनेमा का अनमोल रत्न बताते हुए फिल्म में उनके किरदार की जानकारी दी। वीडियो में तब्बू गौरी हेगड़े के रूप में नजर आ रही हैं, जो इनकम टैक्स विभाग में डिप्टी कमिश्नर हैं। उन्हें एक ऐसी महिला के तौर पर पेश किया गया है, जो निडर है, ताकतवर है और किसी भी चुनौती से पीछे नहीं हटती। वीडियो की शुरूआत तब्बू के किरदार को पावरफुल ऑफिसर के तौर पर पेश करने से होती है। इसके बाद वीडियो में उनके कई एक्शन से भरपूर सीन दिखाई देते हैं, जिनमें वह लोगों को धमकाती और थप्पड़ मारती नजर आती हैं। उनके चेहरे के हाव-भाव और बातचीत का अंदाज भी काफी सख्त है, जो उनके किरदार की गंभीरता को दशार्ता है। वीडियो में एक सीन खास तौर पर लोगों का ध्यान खींचता है, जिसमें तब्बू विजय सेतुपति के किरदार से बात करती दिखाई देती हैं। वह आत्मविश्वास के साथ कहती हैं, हमारे स्टाइल में पहले गोली चलाते हैं और फिर बात करते हैं। यह डायलॉग उनके किरदार की सीधी और बेबाक शैली को उजागर करता है। वीडियो के आखिर में तब्बू के किरदार की पहचान सामने आती है। वह बताती हैं कि उनका नाम गौरी हेगड़े है और वह इनकम टैक्स विभाग में डिप्टी कमिश्नर हैं। तब्बू के इस अंदाज ने सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर चर्चा और बढ़ा दी है। दर्शक अब यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि गौरी हेगड़े का किरदार विजय सेतुपति की कहानी से किस तरह जुड़ा होगा और उनकी भूमिका फिल्म में क्या मोड़ लाएगी। फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, स्लमडॉग 33 टेंपल रोड की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब पोस्ट-प्रोडक्शन का काम तेजी से चल रहा है।

पाक हॉकी कप्तान अबू बकर को भारत के खिलाफ जीत का भरोसा

बोले रैंकिंग नहीं मैच के दिन का प्रदर्शन होत है अहम

» लाहौर, यूटर्न/ 17 अगस्त ।

पाकिस्तान हॉकी टीम के कप्तान अबू बकर महमूद ने कहा है कि रैंकिंग से बड़े मुकाबलों पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ता है। पाक हॉकी कप्तान के अनुसार एफआईएच विश्व कप में उनकी टीम भारत पर जीत दर्ज करने में सफल रहेगी। बकर ने हालांकि माना है कि एक दशक से उनकी टीम भारत से नहीं जीती है पर इस बार उनकी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह जीत के सभी प्रयास करेगी। भारत और पाक क मुकाबला 19 अगस्त को खेला जाएगा। इस मुकाबले से पहले अभ्यास में लगी पाक टीम के कप्तान के अनुसार मैच में शीर्ष रैंकिंग का भी कोई प्रभाव नहीं पड़ता केवल उस दिन टीम कैसे खेलती है यहीं महत्वपूर्ण होता है। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में वेल्स को 3-1 से हराया था, जबकि पाकिस्तान को इंग्लैंड के हाथों 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

वहीं महमूद ने मान है कि भारतीय टीम रैंकिंग में उससे ऊपर है पर कहा कि मुकाबले में इन आंकड़ों की जगह पर मैच के दिन जो टीम अच्छा खेलेगी वही जीतेगी। गौरतलब है कि पाक ने अंतिम बार जून 2016 में लंदन में चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम को 4-3 से हराया था। वहीं हाल ही में, एफआईएच प्रो लीग में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 और 7-1 से हराया था जिससे भारत का पलड़ा इस बार भी भारी नजर आता है।

प्रो लीग में पाक टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कप्तानी संभालने वाले अबू ने भारतीय टीम की लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने की उपलब्धि की सराहना की और उन्हें विश्व कप के लिए शुभकामनाएँ दीं है। , लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उनकी टीम भी इस बार पूरी तैयारी से आई है। पाक कप्तान ने कहा कि प्रो लीग में उनका लक्ष्य खिताब जीतना नहीं, बल्कि शीर्ष टीमों से सीखना था, जिसका प्रभाव अब विश्व कप में दिखेगा।

'मुझे शिकायत उनके सामान्य ज्ञान को लेकर है', पंत के खराब शॉट सिलेक्शन पर भड़के मोहम्मद कैफ

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 17 अगस्त ।

भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मुकाबला गाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। टेस्ट के दूसरे दिन ऋषभ पंत एक बार फिर अच्छी शुरूआत का फायदा नहीं उठा सके और खराब शॉट लेकर पवेलियन लौटे। भारत के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने पंत के शॉट सिलेक्शन की टाइमिंग पर सवाल उठाते हुए उन्हें आड़े हाथों लिया है। कैफ ने 'सोनी स्पोर्ट्स' के साथ बात करते हुए कहा, 'ऋषभ पंत जिस तरह से आउट हुए, उससे मुझे कोई शिकायत नहीं है। वह ऐसे ही खेलते हैं, लेकिन शिकायत सामान्य ज्ञान की है। यह नई गेंद के साथ पहला ओवर था। उस ओवर में वह तीन बार क्रीज से बाहर निकले। सामान्य ज्ञान का मतलब है कट शॉट खेलना। पांच से छह ओवर तक नई गेंद देखना। यह टेस्ट मैच की परंपरा है। जो भी उनके जैसा खेलता है, वह भी सामान्य ज्ञान का इस्तेमाल करता है।' पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा, 'मुझे हैरानी हुई कि वह ओवर की पहली गेंद पर ही क्रीज से बाहर निकल गए। आपको थोड़ा हिसाब लगाना पड़ता है। यहां तक कि अगर कोई बल्लेबाज 150 रन पर भी हो, तो नई गेंद आने पर वह कुछ बॉल खेलता है। मैं वहां कुछ प्वाइंट्स काट रहा हूं। वह लॉजिक और क्रिकेटिंग सेंस में बहुत पीछे रह गए।' पंत अच्छी लय में दिखाई दे रहे थे और वह 39 रनों पर पहुंच चुके थे।

हालांकि, श्रीलंका की ओर से डेब्यू कर रहे केशरा नुवानथा की गेंद पर पंत ने बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया, लेकिन उनका बल्ला घूम गया और गेंद सीधा फील्डर के हाथों में समां गई। पंत पवेलियन लौटते हुए खुद अपने शॉट से निराश दिखाई दिए।

अमेरिका ने लगातार तीसरी बार अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप में जगह पक्की की

केमैन आइलैंड्स, यूटर्न/ 17 अगस्त । अमेरिका ने केमैन आइलैंड्स में हुए अमेरिका क्वालीफायर 2026 में शानदार जीत हासिल करके आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप में लगातार तीसरी बार अपनी जगह पक्की कर ली है। सीनियर इंटरनेशनल खिलाड़ी और अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप 2025 टीम की सदस्य चेतना पगिड्याला की कप्तानी में अमेरिका ने अपने सभी छह मैच जीतकर बेहतरीन प्रदर्शन किया अमेरिका की टीम दूसरे स्थान पर रही और उन्होंने कनाडा से छह अंक ज्यादा आर्जित किए। अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2027 का आयोजन बांग्लादेश और नेपाल की संयुक्त मेजबानी में होना है। भारत इस प्रतियोगिता के दोनों पिछले संस्करण जीतकर डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर इसमें उतरेगा। अमेरिका ने वेस्ट बे के जिमी पॉवेल ओवल में पहले ही दिन कनाडा पर 8 विकेट से जीत के साथ अपनी स्थिति मजबूत कर ली। अनुशासित गेंदबाजी के दम पर अमेरिका ने कनाडा को सिर्फ 65 रनों के स्कोर पर रोका।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

इंडोनेशिया के फ्लोरेस में फिर से भूकंप के तेज झटके, दो दिन पहले आए झटकों में 53 की मौत

जकार्ता, यूटर्न/ 17 अगस्त । इंडोनेशिया के फ्लोरेस क्षेत्र में सोमवार तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किये गये। रिक्टर पैमाने पर भूकंव की तीव्रता 5.9 मापी गयी। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (जीएफजेड) के अनुसार, आज आए भूकंप का केंद्र शुरू में 8.57 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 121.55 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था जमीनी सतह से करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। भूकंप से तत्काल किसी के हताहत होने या नुकसान की सूचना नहीं है। इससे दो दिन पहले शनिवार को आए 7.7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप में कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई थी और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। शक्तिशाली भूकंप से फ्लोरेस के छह रीजेंसी प्रभावित हुए थे। इससे भूस्खलन हुआ, बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा और संचार सेवाएं बाधित हुईं। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, पिछले भूकंप में कम से कम 53 लोगों की मौत हुई है और मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

ट्रंप ने अमेरिका-दक्षिण कोरिया सैन्य अभ्यासों में 'बड़ी कटौती' का किया एलान

वाशिंगटन, यूटर्न/ 17 अगस्त । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया के साथ होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यासों में 'बड़ी कटौती' करने की घोषणा की है। उन्होंने इसके लिए उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के साथ अपने 'बहुत अच्छे संबंध' और दक्षिण कोरिया के अमेरिका के ईरान को 'परमाणु निरस्त्रीकरण' करने के प्रयासों में शामिल होने से इनकार को वजह बताया। यह घोषणा वार्षिक अमेरिका-दक्षिण कोरिया सैन्य अभ्यास शुरू होने से कुछ घंटे पहले की गई। हालांकि, दक्षिण कोरिया ने कहा कि अभ्यास निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेंगे। उल्ची फ्रीडम शील्ड अभ्यास 17 से 27 अगस्त तक होने हैं और इनमें करीब 18,000 दक्षिण कोरियाई सैनिक हिस्सा ले रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर कहा कि वह दक्षिण कोरिया के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यासों से खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ये अभ्यास महंगे हैं और अमेरिका इनकी लागत का बड़ा हिस्सा वहन करता है।

हसीना के प्रत्यर्पण की मांग के बीच रहमान का भारत दौरा टला

ढाका, यूटर्न/ 17 अगस्त । बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान का प्रस्तावित भारत दौरा फिलहाल टल गया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत से वापस भेजे जाने के बाद ही यात्रा की तैयारियां आगे बढ़ाई जाएंगी। तारिक रहमान के 21 अगस्त को दिल्ली आने की संभावना थी और दोनों देशों के बीच इस दौरे को लेकर बातचीत चल रही थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ए.के. शाहिदुल करीम ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में यात्रा के लिए अनुकूल माहौल नहीं है। उनके मुताबिक, 5 अगस्त को नई दिल्ली में शेख हसीना की प्रेस कॉन्फ्रेंस और वहां से दिए गए राजनीतिक बयानों के बाद दोनों देशों के बीच बने माहौल पर असर पड़ा है। करीम ने कहा कि बांग्लादेश पहले भी इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट कर चुका है। ढाका चाहता है कि प्रधानमंत्री की भारत यात्रा से पहले दोनों देशों के संबंधों के लिए उचित माहौल तैयार हो। तारिक रहमान की भारत यात्रा को लेकर बांग्लादेश में राजनीतिक विरोध भी सामने आया है।

दुनिया की सबसे बड़ी 'इंडिया डे परेड' में गूंजा 'विरासत में सद्भाव', दो लाख लोगों ने लिया हिस्सा

» **न्यूयॉर्क, यूटर्न/ 17 अगस्त ।**

देश की आजादी का जश्न मनाने वाले दुनिया के सबसे बड़े आयोजन 'इंडिया डे परेड' ने इस ग्लोबल शहर में प्रवासी भारतीयों के योगदान और देश की विविधतापूर्ण संस्कृति की झलक पेश की।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने की विविधता और एकता की भावना को सम्मान देते हुए रविवार की परेड का विषय 'विरासत में सद्भाव' था। लगभग 2 लाख लोगों ने परेड में हिस्सा लिया या फुटपाथों पर भीड़ लगाई और मैडिसन एवेन्यू पर जश्न के रास्ते में तिरंगा लहराया। गवर्नर कैथी होचुल परेड में सबसे आगे चलीं और कहा कि उन्हें 'इस जीवंत समुदाय द्वारा न्यूयॉर्क में लाई गई समृद्ध संस्कृति का जश्न मनाने' पर गर्व है। मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए अभिनेत्री पूजा हेगड़े और अदिवि शेष झांकियों पर सवार थे और रास्ते में मौजूद प्रशंसक उनका उत्साह बढ़ा रहे थे।

यह 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन्स' की ओर से हर साल आयोजित होने वाली परेड का 44वां संस्करण था। इस तरह के भारतीय आयोजन में हिस्सा लेने वालों की संख्या के लिहाज से यह दुनिया की सबसे बड़ी परेड बन गई है, जिसमें अधिकतर लोग बिना किसी खास बुलावे के खुद ही शामिल होते हैं। आयोजक अविनाश गुप्ता ने कहा, 'यह परेड हर साल बेहतर और बड़ी होती गई है। यह गर्व के साथ दिखाती है कि प्रवासी भारतीयों ने न सिर्फ न्यूयॉर्क और अमेरिका में, बल्कि पूरी दुनिया में कितना योगदान दिया है।' उन्होंने कहा कि इस साल की परेड इसलिए भी खास थी क्योंकि यह एक ही औपनिवेशिक शासक, ब्रिटेन से आजादी मिलने की भारत की 80वीं और अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ का प्रतीक है। दोनों देशों का औपनिवेशिक शासन के खिलाफ संघर्ष का साझा इतिहास रहा है। परेड में 36 झांकियां थीं, जो भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता के साथ-साथ भारतीय-अमेरिकी व्यवसायों, मीडिया और एनजीओ का प्रतिनिधित्व कर रही थीं।

बांग्लादेश में सात महीनों में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 1,660 से ज्यादा मामले दर्ज : मानवाधिकार संस्था

» **ढाका, यूटर्न/ 17 अगस्त ।**

बांग्लादेश की मीडिया ने सोमवार को एक संगठन के हवाले से रिपोर्ट दी कि इस साल जनवरी से जुलाई के बीच बांग्लादेश में 1,660 से ज्यादा महिलाओं और लड़कियों ने अलग-अलग तरह की हिंसा झेली।

अधिकार संगठन के अनुसार, कम से कम 1,667 महिलाओं ने अलग-अलग अपराधों का सामना किया। इसमें 83 लड़कियों और 258 महिलाओं की हत्या और 292 महिलाओं के साथ दुष्कर्म शामिल हैं। ये आंकड़े महिला अधिकार संगठन बांग्लादेश मोहिला परिषद ने रविवार दोपहर ढाका के राष्ट्रीय प्रेस क्लब के बाहर मानव श्रृंखला के दौरान जारी किए। इस विरोध प्रदर्शन का मकसद देशभर में लगातार हो रही हिंसा, बलात्कार, हत्या और बच्चों की हत्या के खिलाफ आवाज उठाना था।

कार्यक्रम में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा को लेकर लोगों ने गहरी चिंता जताई और कहा कि बांग्लादेश तेजी से बलात्कार और दुर्व्यवहार के लिए सुरक्षित पनाहगाह बनता जा रहा है। सभा को संबोधित करते हुए महिला परिषद की अध्यक्ष फौजिया मुस्लिम ने कहा कि आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले सात महीनों में 83 लड़कियों और 258 महिलाओं की हत्या हुई, जबकि बलात्कार के बाद हत्या के 31 मामले भी सामने आए हैं। बांग्लादेश के जाने-माने मीडिया आउटलेट यूएनबी के अनुसार, फौजिया ने चेतावनी दी कि ये आंकड़े शायद हिंसा की वास्तविकता को पूरी तरह से नहीं दिखाते। उन्होंने कहा, 'हमें जो जानकारी मिल रही है, वह ज्यादातर कुछ ही अखबारों की रिपोर्ट से इकट्ठा की गई है।

ये रिपोर्ट सिर्फ 14 अखबारों के डेटा पर आधारित हैं, हालांकि, देश में कई दूसरे मीडिया आउटलेट हैं। अगर हमें सभी मीडिया से डेटा मिला होता, तो महिलाओं के खिलाफ हिंसा की असली तस्वीर कहीं ज्यादा डरावनी हो सकती थी।' परिषद की अध्यक्ष ने देश में महिलाओं के जीने के अधिकार और सुरक्षा पर चिंता जताई। महिला परिषद की महासचिव मालेका बानो के अनुसार, जनवरी से जुलाई के बीच 1,667 महिलाओं और बच्चों को विभिन्न प्रकार की हिंसा का शिकार होना पड़ा।

पीओके में चुनाव बहिष्कार के बीच कई बूथों पर शून्य मतदान, काले झंडों के साथ प्रदर्शन

» **इस्लामाबाद, यूटर्न/ 17 अगस्त ।**

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में चुनावी प्रक्रिया के बीच कई मतदान केंद्रों पर बेहद कम मतदान की खबर सामने आई है। जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के बहिष्कार के आ'ान के बीच कुछ बूथों पर एक भी वोट नहीं पड़ने की बात कही जा रही है। मतदान केंद्रों पर पोलिंग स्टाफ और सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के बावजूद कई जगह मतदाता नजर नहीं आए। रिपोर्ट के मुताबिक, नौ मतदान केंद्रों में कम से कम तीन पर शून्य मतदान दर्ज किया गया। बाग-2, मलोट और बारा बारी समेत कुछ केंद्रों पर कर्मचारी और सुरक्षा बल पूरे समय मौजूद रहे, लेकिन मतदाता बेहद कम संख्या में पहुंचे या बिल्कुल नहीं आए। कुछ इलाकों में मतदान केंद्रों के आसपास की सड़कें भी सुनसान नजर आईं। यह स्थिति जेएएसी की ओर से चुनाव बहिष्कार के आ'ान के बीच सामने आई है।

कांगो में इबोला : देश के इतिहास का सबसे घातक प्रकोप, 2,300 से ज्यादा लोगों की मौत

» **किन्शासा, यूटर्न/ 17 अगस्त ।**

इबोला अफ्रीकी देश डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) पर कहर बनकर टूटा है। आंकड़ों के लिहाज से ये देश के इतिहास का सबसे घातक प्रकोप बन गया है। संक्रमण से मरने वालों की संख्या 2,300 का आंकड़ा पार कर गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इस प्रकोप ने 2018-20 के उस इबोला संकट को भी पीछे छोड़ दिया है, जिसमें 2,299 लोगों की मौत हुई थी। स्वास्थ्य अधिकारियों और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, इस बार संक्रमण तेजी से फैल रहा है और देश के कई प्रांत इसकी चपेट में आ चुके हैं। सबसे अधिक प्रभावित इलाकों में इतुरी प्रांत शामिल है, जहां स्वास्थ्य व्यवस्था पहले से ही गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। इबोला एक अत्यंत संक्रामक और गंभीर वायरल बीमारी है। संक्रमित व्यक्ति के रक्त और शरीर के अन्य तरल पदार्थों के सीधे संपर्क से इसका संक्रमण फैल सकता है। इस प्रकोप को और गंभीर बनाने वाली बात यह है कि बड़ी संख्या में नए संक्रमित लोगों का पहले से निगरानी में रहे मरीजों से कोई स्पष्ट संपर्क सामने नहीं आ रहा है। इसका मतलब है कि संक्रमण की श्रृंखला का पता लगाना स्वास्थ्यकर्मियों के लिए मुश्किल होता जा रहा है। कांगो में जारी संघर्ष, लोगों का विस्थापन, कमजोर स्वास्थ्य ढांचा और प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुंच ने स्थिति को और चुनौतीपूर्ण बना दिया है। बड़ी संख्या में लोगों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के कारण संक्रमण के नए क्षेत्रों में पहुंचने का खतरा भी बना हुआ है।

मौजूदा प्रकोप में बुंडिबुग्यो स्ट्रेन का वायरस सामने आया है। इस स्ट्रेन के खिलाफ फिलहाल व्यापक रूप से उपलब्ध और स्वीकृत विशिष्ट उपचार या वैक्सीन की कमी चुनौती बनी हुई है। वैज्ञानिक और स्वास्थ्य संगठन संभावित टीकों तथा उपचारों पर काम कर रहे हैं।

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान का भारत दौरा बहुत जल्द होना चाहिए : दिनेश त्रिवेदी

» **ढाका, यूटर्न/ 17 अगस्त ।**

उच्च स्तरीय बैठक और बातचीत के जरिए किसी भी मुद्दे को सुलझाने की अपनी उम्मीद दोहराते हुए, बांग्लादेश में भारतीय हाई कमिश्नर दिनेश त्रिवेदी ने रविवार रात कहा कि उन्हें लगता है कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान का भारत दौरा 'बहुत जल्द होना चाहिए।' बांग्लादेश की समाचार एजेंसी यूएनबी के अनुसार, उन्होंने कहा, 'मुद्दों को सिर्फ बैठक और बातचीत से ही सुलझाया जा सकता है, और मैं इसे लेकर आशान्वित हूं। हमारे दिल काफी करीब हैं और मैं बांग्लादेश-भारत के रिश्तों में एक सुनहरे अध्याय की शुरूआत होते देखना चाहता हूं।' बांग्लादेश में आयरलैंड के ऑनरेरी कॉन्सुल मसूद जमील खान और उनकी पत्नी केट जारो खान की ओर से आयोजित वेलकम डिनर के दौरान त्रिवेदी ने कहा कि बांग्लादेश और भारत सिर्फ एक बॉर्डर शेयर नहीं करते; वे असल में एक सपना शेयर करते हैं। भारतीय दूत ने कहा कि बांग्लादेश और भारत दो संप्रभु देश हैं। 'इसमें कोई शक नहीं कि हमारे सामने कई चुनौतियां हैं और ये भी मानिए कि अगर आपके पास चुनौती नहीं हैं, तो वह लोकतंत्र नहीं है। फिर चाहें इस व्यवस्था में कई परेशानियां ही क्यों न हो!'

उनके मुताबिक, भले ही दोनों देशों के बीच मतभेद हों और उन्हें लेकर अपने-अपने तर्क भी हों फिर भी हम चाहते हैं कि भारत-बांग्लादेश के लोग ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया हमें इज्जत और सम्मान से देखे। उन्होंने आगे कहा, 'इसके लिए प्रयास जारी हैं और मैं दिल से चाहता हूं कि भारत और बांग्लादेश के बीच एक सुनहरे दौर की शुरूआत हो।' त्रिवेदी के अनुसार प्रधानमंत्री तारिक रहमान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों ही जन नेता हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने मीडिया में कई बार कहा है, जहां भी मुझसे पूछा गया है कि जब दो ऐसे नेता मिलते हैं और बातचीत करते हैं, तो कोई समस्या बाकी नहीं रह जाती, कोई ऐसा मुद्दा नहीं होता, जिस पर संवाद न हो सके और जिसे सुलझाया न जा सके।'

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *